

२०६६, माघ - २

# सर्वोच्च अदालत बुलेटिन

पाक्षिक प्रकाशन

वर्ष १८, अङ्क २०

२०६६, माघ १६-२९

पूर्णाङ्क ४२२



प्रकाशक

सर्वोच्च अदालत

रामशाहपथ, काठमाडौं

फोन नं. ४२५०७४२, ४२६२३९७, ४२६२३९८, ४२६२८०१, ४२५८१२२ Ext.२६५१ (सम्पादन), २६५० (छापाखाना), २१०९ (विक्री)

फ्याक्स: ४२६२८७८, पो.ब.नं. २०४३८

Email: [infor@supremecourt.gov.np](mailto:infor@supremecourt.gov.np), Web: [www.supremecourt.gov.np](http://www.supremecourt.gov.np)

### सम्पादन समिति

|  |           |
|--|-----------|
| माननीय न्यायाधीश श्री प्रकाश वस्ती         | - अध्यक्ष |
| सहरजिष्ट्रार श्री विपुल न्यौपाने           | - सदस्य   |
| सम्पादक श्री तेजेन्द्रप्रसाद शर्मा सापकोटा | - सचिव    |

### सम्पादन शाखामा कार्यरत कर्मचारीहरू

कम्प्युटर अधिकृत श्री शम्भुप्रसाद आचार्य  
मुद्रण अधिकृत श्री उत्सव कान्छा महर्जन  
ना.सु. श्री कृष्णवहादुर गुरुङ  
डि. श्री सरस्वती खड्का  
कम्प्युटर अपरेटर श्री विदुषी रायमाफी  
कार्यालय सहयोगी श्री कृष्णवहादुर श्रेष्ठ

२०६६ पुस १६ देखि ३० सम्म विभिन्न इजलासहरूबाट सम्पादन शाखामा प्राप्त निर्णय / आदेशहरू

|               |     |
|---------------|-----|
| विशेष इजलास   | १   |
| संयुक्त इजलास | २१  |
| इजलास नं. १   | २   |
| इजलास नं. २   | ६   |
| इजलास नं. ३   | २३  |
| इजलास नं. ४   | १०  |
| इजलास नं. ५   | ८   |
| इजलास नं. ६   | ७   |
| इजलास नं. ७   | १   |
| इजलास नं. ८   | ९   |
| इजलास नं. ९   | ९   |
| इजलास नं. १०  | ५   |
| एकल इजलास     | ३   |
| जम्मा         | १०५ |

यो समाचार बुलेटिन हो । निर्णय संक्षेपीकरण गर्दा इजलासले नै प्रयोग गरेका शब्द यहाँ नपरेका पनि हुन सक्दछन् । यहाँ उल्लिखित निर्णयहरूको नक्कल लिन सकिनेछ ।

२०६६ साल माघ १६ देखि २९ गतेसम्म मुद्दाको लगत फछ्यौट विवरण

| क्र.सं       | विषयगत मुद्दा  |                           | लगत              |               |              | फछ्यौट संख्या | बाँकी        |
|--------------|----------------|---------------------------|------------------|---------------|--------------|---------------|--------------|
|              |                |                           | त्रिजोपारी सरिकी | यस वर्ष परिकी | जम्मा        |               |              |
| 1=           | पुनरावेदक पत्र | देवानी पुनरावेदन          | ३६५२             | ६६३           | ४३१५         | ११४८          | ३१६७         |
| 2=           |                | फौजदारी पुनरावेदन         | २३६८             | ४५१           | २८१९         | ६६०           | २१५९         |
| 3=           |                | देवानी पूर्ण इजलास        | ६७               | १०            | ७७           | ६०            | १७           |
| 4=           |                | फौजदारी पूर्ण इजलास       | ३६               | ४             | ४०           | ३३            | ७            |
| 5=           | रिट निवेदन     | वन्दीप्रत्यक्षीकरण        | ३                | ३८            | ४१           | ३८            | ३            |
| 6=           |                | साधारण रिट                | २६०१             | ७२८           | ३३२९         | ८२६           | २५०३         |
| 7=           |                | पूर्ण रिट                 | १०               | ३             | १३           | ४             | ९            |
| 8=           |                | विशेष रिट                 | ६४               | ३२            | ९६           | ३६            | ६०           |
| 9=           | साधक           | साधक                      | ८८               | ४२            | १३०          | ५०            | ८०           |
| 10=          | दोहोर्याई पाऊं | दोहोर्याई पाऊं देवानी     | १०९४             | ५३४           | १६२८         | ७२१           | ९०७          |
| 11=          |                | दोहोर्याई पाऊं फौजदारी    | ३६४              | १८९           | ५५३          | २६५           | २८८          |
| 12=          | पुनरावलोकन     | पुनरावलोकनको निवेदन       | ४५१              | ३०५           | ४५६          | १३०           | ६२६          |
| 13=          | अनुमति         | पुनरावेदनको अनुमति निवेदन | १०५              | १८            | १२३          | २३            | १००          |
| 14=          | विविध          | विविध                     | ७२               | १२            | ८४           | २१            | ६३           |
| 15=          | निवेदन         | निवेदन                    | १०               | १६६           | १७६          | १२०           | ५६           |
| 16=          | प्रतिपेदन      | प्रतिपेदन                 | १४               | १०४           | ११८          | ६१            | ५७           |
| <b>जम्मा</b> |                |                           | <b>१०९९९</b>     | <b>३२९९</b>   | <b>१४२९८</b> | <b>४१९६</b>   | <b>१०१०२</b> |

२०६६ साल माघ १६ देखि ३० गतेसम्मको मुद्दातर्फको संख्यात्मक विवरण

|  |      |                    |     |
|--|------|--------------------|-----|
| (क) कार्यदिन                                       | १२   | (ड) आदेश संख्या    | २९६ |
| (ख) पेशी चढेका मुद्दा संख्या                       | २१९१ | (च) फछ्यौट संख्या  | ३७३ |
| (ग) कानून व्यवसायीद्वारा स्थगित भएका मुद्दा संख्या | ५७७  | (छ) हेर्न नभ्याएका | ८३२ |
| (घ) हेर्न नमिले मुद्दा संख्या                      | ९७   | (ज) नि.सु. संख्या  | १६  |

समूहकृत (अभियान) मुद्दाहरूको २०६६ माघ २९ गतेसम्मको स्थिति

पहिलेको संख्यामा पछिल्लो एक वर्ष (२०६२ असार) सम्म दायर मुद्दा पनि समूह (पेनल) मा समावेश

| समूह        | कूल मुद्दा | फैसला | बाँकी   |        |      |                 |      |       |
|-------------|------------|-------|---------|--------|------|-----------------|------|-------|
|             |            |       | हेदहिदै | नि.सु. | पेशी | मेलमिलापमा गएको | अन्य | जम्मा |
| फौजदारी     | ३६७        | १४७   | ९       |        | १७८  | -               | ३३   | २२०   |
| देवानी      | ११७८       | ७२९   | ८       | ३      | २६८  | ७               | १६३  | ४४९   |
| रिट/वाणिज्य | ३३६        | १९१   | १       | ८      | १२५  | १               | १०   | १४५   |

**उद्धरण:** सअ बुलेटिन २०६... .. १ वा २ पूर्णाङ्क .... , पृष्ठ ....  
(साल) (महिना)

**उदाहरणार्थ:** सअ बुलेटिन, २०६६, माघ- २, पूर्णाङ्क ४२२, पृष्ठ १०

का.जि.द.नं. ३९।०४९।०५०

नेपाल कानून पत्रिका तथा सर्वोच्च अदालत बुलेटिन  
अब हाम्रो वेभसाइटमा उपलब्ध छन्

ठेगाना

[www.supremecourt.gov.np](http://www.supremecourt.gov.np)

- यो वेभसाइट खोलेपछि बायाँतर्फ नेपाल कानून पत्रिका तथा त्यसको तल सर्वोच्च अदालत बुलेटिनमा क्लिक गर्नुहोस् ।
- २०६६ साल वैशाखदेखिका यी पत्रिकामा समाविष्ट निर्णयहरू पढन र अर्को निर्णय नभएसम्म निःशुल्क डाउनलोड गर्न सकिनेछ ।

नेपाल कानून आयोगको वेभसाइटमा संविधान समेत हालसम्म  
२५० जति ऐनहरू र तीमध्ये १०० वटा जति ऐनको अंग्रेजी  
अनुवाद निःशुल्क पढन र डाउनलोड गर्न सकिनेछ ।

ठेगाना

[www.lawcommission.gov.np](http://www.lawcommission.gov.np)

मूल्य रु.१५।-

मुद्रकः सर्वोच्च अदालत, छापाखाना, रामशाहपथ, काठमाडौं ।

विषयसूची

| क्र.सं               | पक्ष/विपक्ष   | मुद्दा/विषय               | पृष्ठ |
|----------------------|---|---------------------------|-------|
| <b>विशेष</b>         |   |                           |       |
| 1=                   | रेड मिडिया प्रा.लि. समेत<br>वि. प्रधानमन्त्री तथा<br>मन्त्रिपरिषद्को कार्यालय<br>समेत | उत्प्रेषण                 | १     |
| <b>संयुक्त इजलास</b> |   |                           |       |
| 2=                   | कृष्णप्रसाद सापकोटा<br>समेत वि. प्रधानमन्त्री<br>तथा मन्त्रिपरिषद्को<br>कार्यालय समेत | उत्प्रेषण                 | १     |
| 3=                   | गणेशकुमार गौतम<br>वि. लोकसेवा आयोग<br>केन्द्रीय कार्यालय समेत                         | उत्प्रेषण                 | १     |
| 4=                   | कैलाशकुमार श्रेष्ठ<br>वि. लोकसेवा आयोग<br>केन्द्रीय कार्यालय समेत                     | उत्प्रेषण                 | २     |
| 5=                   | अवध किशोर मिश्र<br>वि. प्रधानमन्त्री तथा<br>मन्त्रिपरिषद्को कार्यालय<br>समेत          | उत्प्रेषण<br>परमादेश      | २     |
| 6=                   | चमेली खड्का<br>वि. नेत्रवहादुर खड्का<br>रविन खड्का<br>वि. नेत्रवहादुर खड्का           | हाडनाता<br>करणी           | २     |
| 7=                   | हरिवोल खनाल<br>वि. प्रधानमन्त्री तथा<br>मन्त्रीपरिषद्को कार्यालय<br>समेत              | उत्प्रेषण<br>परमादेश      | ३     |
| 8=                   | शंकरदत्त भट्ट<br>वि. गुठी संस्थान केन्द्रीय<br>कार्यालय समेत                          | उत्प्रेषण<br>समेत         | ३     |
| 9=                   | रामप्रसाद सुवाल<br>वि. कृषि विकास बैंक<br>भक्तपुर शाखा कार्यालय<br>समेत               | उत्प्रेषण                 | ३     |
| 10=                  | द्वारिका श्रेष्ठ<br>वि. कृष्णकुमारी श्रेष्ठ   | जग्गा<br>खिचोला           | ४     |
| 11=                  | मतिजनी खातुन<br>वि. भौतिक योजना तथा<br>निर्माण मन्त्रालय समेत                         | उत्प्रेषणयुक्त<br>परमादेश | ४     |

|                    |   |                                   |   |
|--------------------|---|-----------------------------------|---|
| 12=                | बबी खत्री<br>वि. विनोद के.सी.   | दर्ता नामसारी<br>दर्ता बदर        | ४ |
| 13=                | ललितादेवी मेहता<br>वि. रामविलास मेहता<br>समेत                           | अंश दर्ता                         | ४ |
| 14=                | तुरन्त मण्डल<br>वि. उत्तिमप्रसाद मण्डल                                  | अंशबण्डा                          | ५ |
| 15=                | रामेन्द्र यादव<br>वि. शिवनन्दन यादव<br>समेत                             | अंश दर्ता                         | ५ |
| 16=                | कुशहरि के.सी. समेत<br>वि. श्रम अदालत समेत                               | उत्प्रेषण<br>परमादेश              | ५ |
| 17=                | रन्जनचन्द्र श्रेष्ठ<br>वि. गृह मन्त्रालय समेत                           | उत्प्रेषण                         | ६ |
| <b>इजलास नं. १</b> |   |                                   |   |
| 18=                | रामाशंकर कुमार समेत<br>वि. शिक्षक सेवा आयोग<br>भक्तपुर समेत             | उत्प्रेषण                         | ६ |
| 19=                | अख्तियार दुरुपयोग<br>अनुसन्धान आयोग<br>वि. चिरागमानसिंह कुँवर           | आदेश बदर                          | ६ |
| <b>इजलास नं. २</b> |   |                                   |   |
| 20=                | नेपाल सरकार<br>वि. कैलाशध्वज खाँड                                       | विदेशी<br>विनिमय                  | ६ |
| 21=                | आशाभाई मुनिकार वि.<br>श्रीमाया महर्जन समेत                              | मिलापत्र बदर                      | ७ |
| <b>इजलास नं. ३</b> |   |                                   |   |
| 22=                | नेपाल सरकार<br>वि. कैलाशध्वज खाँड                                       | विदेशी<br>विनिमय                  | ७ |
| 23=                | वनवारीलाल मित्तल<br>वि. त्रिभुवन अन्तर्राष्ट्रिय<br>विमानस्थल गौचर समेत | उत्प्रेषणयुक्त<br>परमादेश<br>समेत | ८ |
| 24=                | नेपाल सरकार<br>वि. टीकाबहादुर थापा                                      | साधारण चोरी                       | ८ |
| 25=                | कृष्णबहादुर महर्जन<br>वि. धर्मलक्ष्मी बज्राचार्य<br>समेत                | उत्प्रेषणयुक्त<br>परमादेश         | ८ |
| 26=                | रंगीलाल कुर्मी<br>वि. शत्रुघनप्रसाद कुर्मी                              | खिचोला<br>चलन                     | ९ |
| 27=                | नेपाल सरकार वि.<br>महेन्द्रबहादुर राउत समेत                             | कर्तव्य ज्यान                     | ९ |

|                    |   |                           |    |
|--------------------|---|---------------------------|----|
| 28=                | नेपाल सरकार<br>वि.मानबहादुर थापा<br>समेत                            | लागू औषध<br>(गाँजा)       | ९  |
| 29=                | जगतकुमारी कुँवर समेत<br>वि.वाणिज्य तथा आपूर्ति<br>मन्त्रालय समेत    | उत्प्रेषणयुक्त<br>परमादेश | ९  |
| 30=                | श्री ५ को सरकार<br>वि.कर्णबहादुर कार्की<br>समेत                     | भ्रष्टाचार                | १० |
| 31=                | जगदिशलाल श्रीवास्तव<br>वि.खगेन्द्र बस्नेत                           | भ्रष्टाचार                | १० |
| 32=                | मंगलादेवी पौडेल<br>वि.मिलन गुरुङ                                    | करकाप                     | ११ |
| 33=                | किशोर राम चमार<br>वि.गरीबराम चमार<br>समेत                           | कूटपीट<br>लुटपीट          | ११ |
| 34=                | ज्ञानबहादुर थापा<br>वि.भूमिसुधार तथा<br>व्यवस्था मन्त्रालय समेत     | उत्प्रेषण                 | ११ |
| 35=                | समीर शर्मा वि.मालपोत<br>कार्यालय काठमाडौं<br>समेत                   | उत्प्रेषण                 | ११ |
| 36=                | किशोर ठाकुर लोहार<br>समेत वि.लक्ष्मण साह<br>तेली समेत               | घर उठाई<br>निकास बाटो     | १२ |
| <b>इजलास नं. ४</b> |   |                           |    |
| 37=                | अर्चना अग्रवाल समेत<br>वि.नेपाल इन्भेष्टमेण्ट<br>बैंक लिमिटेड समेत  | उत्प्रेषण                 | १२ |
| 38=                | ज्योतिप्रकाश पाण्डे समेत<br>वि.मोहनलाल अग्रवाल<br>समेत              | परमादेश                   | १२ |
| 39=                | ज्योतिप्रकाश पाण्डे समेत<br>वि.मोहनलाल अग्रवाल<br>समेत              | निषेधाज्ञा                | १२ |
| 40=                | मोहनलाल अग्रवाल<br>समेत वि.नेपाल इन्भेष्टमेण्ट<br>बैंक लिमिटेड समेत | उत्प्रेषण                 | १३ |
| 41=                | काजी राई<br>वि.नेपाल सरकार,<br>नेपाल सरकार वि. पुष्प<br>राई समेत    | कर्तव्य ज्यान             | १३ |
| 42=                | हेमबहादुर श्रेष्ठ<br>वि.काठमाडौं जिल्ला<br>अदालत समेत               | उत्प्रेषण                 | १३ |

|                    |  |                      |    |
|--------------------|--|----------------------|----|
| 43=                | गयापार कुर्मी<br>वि.कपिलवस्तु जिल्ला<br>अदालत समेत   | उत्प्रेषण            | १३ |
| 44=                | हाजी अब्दुल गफ्फार<br>वि.बाबुराम वैश्य   | लेनदेन               | १३ |
| 45=                | कृतिमान कुँवर<br>वि.विष्णुमाया खड्का<br>समेत   | जग्गा<br>खिचोला      | १४ |
| 46=                | नेपाल सरकार<br>वि. रामविलास यादव<br>लक्ष्मी नारायण यादव<br>वि.नेपाल सरकार  | कर्तव्य ज्यान        | १४ |
| <b>इजलास नं. ५</b> |  |                      |    |
| 47=                | सुरेशप्रसाद यादव<br>वि.गृह मन्त्रालय समेत  | उत्प्रेषण            | १४ |
| 48=                | रंजितकुमार सिंह समेत<br>वि.जिल्ला प्रहरी कार्यालय<br>सर्लाही समेत  | उत्प्रेषण            | १४ |
| 49=                | रामचन्द्र अधिकारी<br>वि.मन्त्रिपरिषद्<br>सचिवालय समेत  | दर्ता बदर<br>हक कायम | १५ |
| 50=                | आन्तरिक राजश्व<br>कार्यालय विराटनगर<br>वि.शाह उद्योग प्रा.लि.<br>विराटनगर  | आयकर                 | १५ |
| 51=                | आन्तरिक राजश्व<br>कार्यालय विराटनगर<br>वि.शाह उद्योग प्रा.लि.<br>विराटनगर  | आयकर                 | १५ |
| 52=                | उमा राजभण्डारी समेत<br>वि.उत्तमकुमार<br>राजभण्डारी<br>भूपेन्द्रबहादुर बस्नेत<br>वि.उत्तमकुमार<br>राजभण्डारी<br>उत्तमकुमार राजभण्डारी<br>वि.रामकुमारी बस्नेत<br>क्षेत्री समेत | धनमाल                | १५ |
| <b>इजलास नं. ६</b> |  |                      |    |
| 53=                | चन्द्रवीर सिंह कंसाकार<br>वि.काठमाडौं<br>महानगरपालिका समेत   | उत्प्रेषण<br>परमादेश | १६ |
| 54=                | गणेशप्रसाद भुसाल<br>वि.नेपाल सरकार   | भ्रष्टाचार           | १६ |
| 55=                | दिनेशप्रसाद साह<br>वि.प्रहरी महानिरीक्षक<br>महानगरीय प्रहरी आयुक्त   | उत्प्रेषण            | १६ |

**सर्वोच्च अदालत बुलेटिन, २०६६, माघ -२, पूर्णाङ्क ४२२**

|                    |   |                                 |    |
|--------------------|---|---------------------------------|----|
|                    | उपत्यका प्रहरी कार्यालय काडमाडौँ समेत                                   |                                 |    |
| 56=                | जगदम्बामणि त्रिपाठी<br>समेत वि.बुन्नादेवी त्रिपाठी                      | अंश नामसारी                     | १७ |
| 57=                | त्रिवेणीदेवी भ्ना<br>वि.जटाशंकर भ्ना<br>अजयकुमार साह<br>वि.जटाशंकर भ्ना | लिखत दर्ता<br>बदर दर्ता<br>कायम | १७ |
| <b>इजलास नं. ७</b> |   |                                 |    |
| 58=                | मुरलीधर मिश्र<br>वि. कृषि तथा मन्त्रालय सम्बद्धता समितिको कार्यालय समेत | उत्प्रेषण                       | १७ |
| <b>इजलास नं. ८</b> |   |                                 |    |
| 59=                | धनीया थरुनी<br>वि.मनोजकुमार साह<br>तेली                                 | फैसला बदर                       | १८ |
| 60=                | सुखदेव यादव<br>वि.दुखी यादव समेत  | अंश दर्ता                       | १८ |
| 61=                | किरणसिंह डंगोल<br>वि.नेपाल सरकार  | लागू औषध<br>ब्राउन सुगर         | १८ |
| 62=                | इन्द्रबहादुर राई<br>वि.मंगलीमाया कुस्ले                                 | करार बदर                        | १९ |
| 63=                | नेपाल सरकार वि.<br>मित्रलाल डाँगी                                       | कर्तव्य ज्यान                   | १९ |
| <b>इजलास नं. ९</b> |   |                                 |    |
| 64=                | नेपाल सरकार<br>वि.रिखे साकी   | कर्तव्य ज्यान                   | १९ |
| 65=                | नेपाल सरकार<br>वि.अलाउद्दिन मिया<br>समेत                                | जिउमास्ने<br>वेच्ने             | २० |
| 66=                | नेपाल सरकार<br>वि.जगतबहादुर साकी,<br>जगतबहादुर साकी<br>वि.नेपाल सरकार   | कर्तव्य ज्यान                   | २० |

|                     |   |                                 |    |
|---------------------|---|---------------------------------|----|
| 67=                 | शुक्रबहादुर नेम्वाङ्ग<br>वि.नेपाल सरकार,<br>नेपाल सरकार<br>वि.शुक्रबहादुर नेम्वाङ्ग | कर्तव्य ज्यान                   | २० |
| 68=                 | खेटराज सुवेदी<br>वि.नेपाल सरकार,<br>किशोरी दास कथवनिया<br>समेत वि.नेपाल सरकार       | सरकारी छाप<br>दस्तखत कीर्ते     | २० |
| 69=                 | नेपाल सरकार<br>वि.हरिहरमान श्रेष्ठ  | भ्रष्टाचार                      | २१ |
| 70=                 | नेपाल सरकार<br>वि.फूलराज शर्मा  | भ्रष्टाचार                      | २१ |
| 71=                 | नेपाल सरकार<br>वि.धोपिन्दर धोवी   | कर्तव्य ज्यान                   | २१ |
| 72=                 | सोमबहादुर कार्की<br>वि.नेपाल सरकार<br><br>मातृका नेपाल<br>वि.नेपाल सरकार            | भ्रष्टाचार                      | २२ |
| <b>इजलास नं. १०</b> |   |                                 |    |
| 73=                 | दीपा गुरुङ<br>वि.रेवता गुरुङ  | जालसाज                          | २२ |
| 74=                 | नेपाल सरकार<br>वि.मोहनप्रसाद दंगाल<br>समेत  | सवारी ज्यान                     | २२ |
| <b>एकल इजलास</b>    |   |                                 |    |
| 75=                 | अमरसिं प्रसाद समेत<br>वि.जिल्ला शिक्षा<br>कार्यालय बारा कलैया<br>समेत               | उत्प्रेषणयुक्त<br>परमादेश       | २३ |
| 76=                 | टुनाबहादुर श्रेष्ठ<br>वि.प्रधानमन्त्री तथा मन्त्री<br>परिषद्को कार्यालयसमेत         | उत्प्रेषण<br>मिश्रित<br>परमादेश | २३ |
| 77=                 | दुर्गामान डंगोल समेत<br>वि.पुनरावेदन अदालत<br>पाटन                                  | उत्प्रेषण<br>मिश्रित<br>परमादेश | २३ |

विशेष इजलास

मा.न्या.श्री तपबहादुर मगर, मा.न्या.श्री कल्याण श्रेष्ठ र मा.न्या.श्री रणबहादुर बस्, रिट नं. ०६६-WS-०००७, उत्प्रेषण समेत, रेड मिडिया प्रा.लि. समेत वि. प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद्को कार्यालय समेत

संविधानमा व्यवस्थित स्वतन्त्रता वा समानताको हकअन्तर्गत कानूनद्वारा व्यवस्थित गर्न सक्ने कुराहरूको उपेक्षा गर्ने सोच कसैले पनि राख्न हुँदैन । उद्योग व्यापार वा व्यवसायमा वस्तु वा सेवाको उपभोक्ताको सर्वोत्तम हित नै मुख्य प्रेरक तत्व र आधारभूत कुरा हुन्छ । उपभोक्ता सार्वभौमिकताको यो मान्यतालाई उपेक्षा गरेर कानूनको नियमन घेराभन्दा बाहिर पर्न खोज्ने प्रयासलाई समानता र स्वतन्त्रताको सिद्धान्तले साथ दिँदैन र यो उपभोक्ता विधिशास्त्रको आधारभूत मान्यताको समेत प्रतिकूल हुन जान्छ । सेवा प्रदायकहरूको व्यावसायिक मान्यता र स्तरीय सेवाको अपेक्षालाई सुनिश्चित गर्ने गरी सेवाग्राहीहरूले कुनै मापदण्ड निर्धारण कानून वा नीतिको आधारमा गर्दछ भने त्यो कानून, न्याय र औचित्यको आधारमा समेत स्वीकार्य हुन्छ । कुनै व्यावसायलाई सार्वजनिक आवश्यकता र औचित्यको आधारमा सेवाग्राही सार्वजनिक निकायले सदाशयपूर्वक कुनै शर्त तोकेकोलाई सेवा प्रदायकले अन्यथा अर्थ गरी सेवा प्रदान गर्ने विषयलाई आफ्नो शर्तको अधीनमा राख्न खोज्नु सर्वथा स्वीकार्य नहुने ।

सार्वजनिक खरिद नियमावली, २०६४ को नियम २७(२) को खण्ड (क) र खण्ड (ग) ले निवेदक कम्पनीहरूलाई अनुचित बन्देज लगाएको अवस्था नरहेको र सो प्राबधान नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ को धारा १२(३)(च) समेतसँग बाझिएको नदेखिँदा निवेदन मागबमोजिमको आदेश जारी गर्न नमिल्ने ।

इजलास अधिकृत : उमेश कोइराला  
इति संवत् २०६६ साल मंसिर २५ गते रोज ५ शुभम् ।

संयुक्त इजलास

१.

स.प्र.न्या.श्री अनूपराज शर्मा र मा.न्या.श्री तपबहादुर मगर, रिट नं. ०६३-WO-०५२४, उत्प्रेषण समेत, कृष्णप्रसाद सापकोटा समेत वि. प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद्को कार्यालय समेत

कानूनी राज्यमा कानूनविपरीत निर्णय गर्ने अधिकार कसैमा पनि रहँदैन । तसर्थ आर्थिक प्रशासनसम्बन्धी नियमावलीको नियम १७९(१) ले निर्धारण गरेको दैनिक भत्ता सम्बन्धी व्यवस्था सम्बन्धित कर्मचारीका लागि सुविधा मात्र नभएर अधिकार पनि हो, कसैको अधिकारमा बन्देज लगाउन पनि कानूनकै अख्तियारी चाहिन्छ, स्वैच्छाचारी हिसावले अधिकार कृण्ठित पाउँदै लैजाने कार्यलाई न्यायपालिकाले मान्यता दिन नसक्ने ।

निवेदकहरूलाई आर्थिक प्रशासनसम्बन्धी नियमावली, २०५६ को नियम १७९(१) बमोजिम यस अधि उपलब्ध गराइएको दैनिक भत्ताको रकम कट्टा गरी उल्लिखित नियमअनुसार बाँकी रकम भुक्तानी गर्नु भनी विपक्षीहरूका नाममा परमादेश जारी हुने ।

इजलास अधिकृत : उमेश कोइराला  
इति संवत् २०६६ साल माघ ५ गते रोज ३ शुभम् ।

२.

स.प्र.न्या.श्री अनूपराज शर्मा र मा.न्या.श्री तपबहादुर मगर, रिट नं. ०६५-WO-०८५२, उत्प्रेषण समेत, गणेशकुमार गौतम वि. लोकसेवा आयोग केन्द्रीय कार्यालय समेत

११ पदका लागि भएको बहुवा विज्ञापनमा अन्य सम्भाव्य उम्मेदवारहरू हुँदाहुँदै ९ जनालाई मात्र बहुवा गर्ने र २ पद खाली नै राखी अर्को विज्ञापनद्वारा पदपूर्ति गर्ने अवस्था देखिएको छ । त्यसरी बहुवा सूची प्रकाशित गर्दा सूर्यबहादुर भाटलाई ११ औं नं. मा राखी ९ र १० नं. खाली राख्नुको आधार र कारण पनि निर्णयमा खुल्दैन । न



त लोकसेवा आयोगले नै योग्यताक्रम नं. ९ खाली राख्नुको कुनै आधार कारण उल्लेख गरेको देखिन्छ। पदपूर्तिको माग गर्ने सम्बन्धमा निजामती सेवा ऐन, २०४९ को दफा ७ क को उपदफा (३) मा निजामती सेवाको पदपूर्तिको लागि माग गर्दा सो अवधिसम्म रिक्त हुन आएका पद र चालु आर्थिक वर्षभित्रमा अवकाश तथा बहुवाबाट रिक्त हुने पदसमेत यकीन गरी माग गर्न सकिनेछ भन्ने व्यवस्था गरिएको देखिन्छ। निजामती सेवा ऐनले त्यसरी संभावित रिक्त पदलाई समेत गणना गरी पदपूर्ति प्रक्रिया अघि बढाउनु पर्ने व्यवस्था गरेको परिप्रेक्ष्यमा संख्या नै किटान गरी बहुवा सूचना प्रकाशित भएको अवस्थामा बहुवाका संभाव्य उम्मेदवारहरू बाँकी रहँदासम्मै पनि बहुवा सूचीको योग्यताक्रममा वीचका २ स्थान रिक्त राखेर सूची प्रकाशित गर्ने गरी भएको निर्णयलाई कानूनसम्मत, सदाशयपूर्ण र विवेकसम्मत मान्न नसकिने।

इजलास अधिकृत : उमेश कोइराला  
इति संवत् २०६६ साल माघ ५ गते रोज ३ शुभम्।

३.

**स.प्र.न्या.श्री अनूपराज शर्मा र मा.न्या.श्री तपबहादुर मगर**, रिट नं. ०६५-WO-०७५६, उत्प्रेषण समेत, कैलाशकुमार श्रेष्ठ वि. लोकसेवा आयोग केन्द्रीय कार्यालय समेत

निजामती सेवा ऐन, २०४९ को दफा २४घण बमोजिमको बहुवा भएका व्यक्तिले नियुक्ति लिनु अगावैको अवस्थामा कार्यक्षमताको मूल्याङ्कनको आधारमा हुने बहुवालाई रोज्न पाउने भए तापनि यी निवेदकले बहुवा नियुक्ति नै बुझिलिसकेको सन्दर्भमा अब त्यसरी रोज्न पाउने अवस्थाको विद्यमानता नै नदेखिने।

इजलास अधिकृत : उमेश कोइराला  
इति संवत् २०६६ साल माघ ५ गते रोज ३ शुभम्।

४.

**मा.न्या.श्री अनूपराज शर्मा र मा.न्या.श्री कल्याण श्रेष्ठ**, २०६३ सालको रिट नं. ०९८५, उत्प्रेषणयुक्त

परमादेश, अवधकिशोर मिश्र वि. प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद्को कार्यालय समेत

रिट निवेदकले बहुवासम्म पाऊँ भनी जेष्ठतातर्फ निवेदन दावी लिएको नदेखिएकोले जुन पदमा बहुवा पाऊँ भनी दावी लिएको हो सोही पदमा बहुवा भइसकेको स्थिति देखिएकोले उल्लिखित तथ्य भित्र प्रवेश गरी बोलिरहनु नपर्ने।  
इजलास अधिकृत : दीपक खरेल  
इति संवत् २०६६ साल भदौ ९ गते रोज ३ शुभम्।

■ यसै प्रकृतिको २०६३ सालको रिट नं. ०८५४, उत्प्रेषणयुक्त परमादेश, विनोदचन्द्र भा. वि. प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद्को कार्यालय समेत भएको मुद्दामा यसै अनुरूप निर्णय भएको छ।

५.

**मा.न्या.श्री अनूपराज शर्मा र मा.न्या.श्री ताहिर अली अन्सारी**, २०६३ सालको फौ.पु.नं. CR-०२९०, हाडनाता करणी, चमेली खड्का वि. नेत्रबहादुर खड्का, २०६५ सालको फौ.पु.नं. CR-०८२९, रविन खड्का वि. नेत्रबहादुर खड्का

DNA परीक्षण पक्षले माग गरेको अवस्थामा मात्र गर्ने नभै विवादको न्यायपूर्ण समाधान गर्न अदालत स्वयंले पनि परीक्षण गराउन सक्छ। पक्षको माग नभै परीक्षण गराएको कारणले मात्र निर्णय त्रुटिपूर्ण हुन नसक्ने।

DNA परीक्षणको प्रतिवेदनबाट बालिका स्वस्तिकाको जैविक बाबु प्रतिवादी रविन खड्का भएको प्रमाणित भएको स्थितिमा प्रतिवादी रविन खड्का र प्रतिवादी चमेली खड्काबीच करणी लिनु दिनु भएको पुष्टि भएको र प्रतिवादी चमेली खड्का र रविन खड्का ७ पुस्ताभित्रका देवर भाउजु नाताको देखिँदा ७ पुस्ताभित्रको हाडनाता करणी भएको कारण प्रतिवादीहरूलाई हाडनाताको ४ नं. बमोजिम सजाय हुने।

इजलास अधिकृत : लिलाराज अधिकारी  
कम्प्युटर : रामशरण तिमिल्सिना  
इति संवत् २०६६ साल मंसिर १० गते रोज ४ शुभम्।

यसै लगाउका निम्न मुद्दाहरूमा यसैअनुरूप निर्णय भएका छन् :

- २०६३ सालको दे.पु.नं. SA-०००३, माना चामल, चमेली खड्का वि. नेत्रवहादुर खड्का
- २०६३ सालको दे.पु.नं. CI-०५२९, अंश चलन, चमेली खड्का वि. खमबहादुर खड्का
- २०६३ सालको फौ.पु.नं. CR-०२८९, जारी, चमेली खड्का वि. नेत्रवहादुर खड्का, २०६५ सालको फौ.पु.नं. CR-०८२२, रविन खड्का वि. नेत्रवहादुर खड्का

६.

**मा.न्या.श्री अनूपराज शर्मा र मा.न्या.श्री प्रेम शर्मा,** २०६१ सालको रिट नं. ३७००, उत्प्रेषण मिश्रित परमादेश, महेश्वरलाल मिश्र वि. उपत्यका नगर विकास योजना कार्यान्वयन समितिको कार्यालय काठमाडौं समेत

यिनै निवेदक वादी र प्रतिवादी यिनै प्रत्यर्थी पिताम्बरप्रसाद आचार्य भएको जग्गा खिचोला मुद्दामा काठमाडौं जिल्ला अदालतबाट वादी दावी पुग्न नसक्ने ठहर फैसला भई उक्त फैसला पुनरावेदन अदालत पाटन समेतबाट सदर भै निवेदकले दावी गरेको जग्गालाई बाटो नै कायम हुने ठहर फैसला समेत भएको अवस्थामा नक्सा पाससम्बन्धी काम कारवाहीमा कुनै अनियमितता नदेखिएको र सो नक्साबमोजिमको निर्णय कार्य समेत सम्पन्न भैसकेको देखिँदा प्रस्तुत रिट निवेदन खारेज हुने ।

इजलास अधिकृत : दीपक खरेल  
इति संवत् २०६६ साल असोज २६ गते रोज २ शुभम् ।

७.

**मा.न्या.श्री अनूपराज शर्मा र मा.न्या.श्री प्रेम शर्मा,** २०६० सालको रिट नं. ३४८९, उत्प्रेषण परमादेश, हरिवोल खनाल वि. प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद्को कार्यालय समेत

मालपोत कार्यालयको २०५० सालको निर्णय बदर गराउन यी रिट निवेदक अनुचित विलम्ब समेत गरी २०६० सालमा मात्र प्रस्तुत रिट

निवेदन लिई अदालत प्रवेश गरेकोबाट विलम्बको सिद्धान्त समेतबाट यी रिट निवेदकलाई मद्दत गर्न सकिने अवस्था नभएकोले प्रस्तुत रिट निवेदन खारेज हुने ।

इजलास अधिकृत : दीपक खरेल  
इति संवत् २०६६ साल भदौ १४ गते रोज १ शुभम् ।

- यसै प्रकृतिको २०६० सालको रिट नं. ३४८८, उत्प्रेषणयुक्त परमादेश, हरिवोल खनाल वि. प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद्को कार्यालय समेत भएको मुद्दामा यसैअनुरूप निर्णय भएको छ ।

८.

**स.का.मु.प्र.न्या.श्री अनूपराज शर्मा र मा.न्या.श्री प्रेम शर्मा,** २०६० सालको रिट नं. ३१००, उत्प्रेषण समेत, शंकरदत्त भट्ट वि. गुठी संस्थान केन्द्रीय कार्यालय समेत

विवादको विषयमा निर्णय गर्ने अधिकार गुठी संस्थानमा निहित रहेको स्वीकार गर्दागर्दै पनि मालपोत कार्यालयको मिति २०६०।७।१३ को पत्रले व्यवहारतः गुठी संस्थानको अधिकारक्षेत्रमा अतिक्रमण गरेको र गुठी संस्थानको निर्णय कार्यान्वयनको सट्टामा छुट्टै निर्णयको प्रभाव दिने गरी निष्कर्षमा पुगेको देखिन्छ । तसर्थ मालपोत कार्यालयद्वारा गुठी संस्थानको अधिकार क्षेत्रमाथि हस्तक्षेप गरेको देखिँदा उत्प्रेषणको आदेशद्वारा बदर हुने ।

इजलास अधिकृत : उमेश कोइराला  
इति संवत् २०६६ साल कात्तिक २४ गते रोज ३ शुभम् ।

९.

**स.का.मु.प्र.न्या.श्री अनूपराज शर्मा र मा.न्या.श्री प्रेम शर्मा,** २०६१ सालको रिट नं. ३७२१, उत्प्रेषण समेत, रामप्रसाद सुवाल वि. कृषि विकास बैंक भक्तपुर शाखा कार्यालय समेत

विपक्षी कृषि विकास बैंक भक्तपुर शाखाबाट काल्पनिक व्यक्तिको काल्पनिक दस्तखतको संज्ञा दिइएको मिति २०५३।१०।५ को घर जग्गा फुकुवा गरिदिने बारेको पत्रका सम्बन्धमा बैंकबाट कुनै किसिमको अनुसन्धान, तहहिकात वा

कारवाही नगरी सो क्रियाका एकमात्र दोषीका रूपमा यी निवेदकलाई प्रस्तुत गरी पुनः मिति २०६०।१२।१८ मा मालपोत कार्यालयलाई घर जग्गा रोक्कासम्बन्धी पत्राचार गरी प्रारम्भमा रोक्का गरिएबाहेकको निवेदकको नाउँको अर्को कित्ता जग्गा समेत रोक्का राख्ने गरी भएको बैंकको निर्णय तथा सोका आधारमा भएको मिति २०६०।१२।१८ को पत्राचार र विपक्षी मालपोत कार्यालय भक्तपुरबाट गरिएको रोक्का निर्णय कानूनी रूपमा आधार शून्य हुनुका साथै न्यायोचित समेत नदेखिँदा उत्प्रेषणको आदेशले बदर हुने ।

इजलास अधिकृत : उमेश कोइराला

इति संवत् २०६६ साल कात्तिक २४ गते रोज ३ शुभम् ।

१०.

**स.प्र.न्या.श्री अनूपराज शर्मा र मा.न्या.श्री मोहनप्रकाश सिटौला,** २०६२ सालको दे.पु.नं. ९६८३, जग्गा खिचोला चलन, *द्वारिका श्रेष्ठ वि. कृष्णकुमारी श्रेष्ठ*

विवादको कित्ता नं. ९१ को जग्गामा वादीको निर्विवाद हक रहेको देखिएको, सो जग्गालाई वादी प्रतिवादी दुवै पक्षले गल्ली वा बाटो वा निकासका रूपमा प्रयोग गर्दै आएको वस्तुनिष्ठ आधार प्रतिवादीले पेश गर्न सकेको नपाइएको र प्रतिवादीले कित्ता नं. २८ र ९२ को घरजग्गा राजीनामाको लिखतबाट लिँदा सो लिखतमा कर्हिकतै दक्षिणतर्फ गल्ली वा बाटो वा निकास रहेको भन्ने उल्लेख भएको पनि नपाइएको अवस्थामा विवादको कित्ता नं. ९१ को जग्गालाई अधिदेखि चलिआएको निकासका रूपमा लिन नमिल्ने ।

इजलास अधिकृत : उमेश कोइराला

कम्प्युटर : सीता गुरुङ

इति संवत् २०६६ साल पुस २० गते रोज २ शुभम् ।

११.

**मा.न्या.श्री अनूपराज शर्मा र मा.न्या.श्री अवधेशकुमार यादव,** २०६३ सालको रिट नं. ०२६३, उत्प्रेषणयुक्त परमादेश, *मतिजनी खातुन वि. भौतिक योजना तथा निर्माण मन्त्रालय समेत*

वीरगञ्ज नगर विकास समितिले यी निवेदिकाको पतिबाट राजीनामा गरी लिएको जग्गामा निवेदिकाको हक स्वामित्व टुटी वीरगञ्ज नगर विकास समितिको हक स्वामित्वमा आई सकेको अवस्थामा अहिले आएर उक्त जग्गा फिर्ता दिलाई पाऊँ भन्ने निवेदन दावी कानूनसम्मत नहुने ।

इजलास अधिकृत : दीपक खरेल

इति संवत् २०६६ साल भदौ २४ गते रोज ४ शुभम् ।

१२.

**मा.न्या.श्री अनूपराज शर्मा र मा.न्या.श्री सुशीला कार्की,** २०६२ सालको दे.पु.नं. ९४८७, दर्ता नामसारी दर्ता बदर, *बवी खत्री वि. विनोद के.सी.*

विवादित जग्गा धनुषा र महोत्तरी जिल्लाअन्तर्गतको देखिए तापनि सो ठाउँको जग्गाको जाँच गर्नुपर्ने अवस्था नदेखिनुको साथै प्रस्तुत मुद्दाका वादी प्रतिवादीहरूको घर बसोवास काठमाडौँमा नै रहे बसेको देखिएकोमा यी पक्ष विपक्षी दुवै बसेको इलाकाको अड्डा काठमाडौँ जिल्ला अदालतमा नालेस लाग्न सक्ने नै भई सोअनुरूप नालेस परी निर्णय निरूपण भएको विषयमा क्षेत्राधिकारको प्रश्न उठाई तथ्यभित्र प्रवेश नगरी उक्त फैसला बदर गर्ने ठहर गरेको पुनरावेदन अदालत पाटनको फैसला त्रुटिपूर्ण देखिने ।

इजलास अधिकृत : दीपक खरेल

इति संवत् २०६६ साल भदौ १५ गते रोज २ शुभम् ।

१३.

**स.का.मु.प्र.न्या.श्री अनूपराज शर्मा र मा.न्या.श्री प्रकाश वस्ती,** २०६३ सालको दे.पु.नं. ८८८४, अंश दर्ता, *ललितादेवी मेहता वि. रामविलास मेहता समेत*

वादीले आफ्ना पति रामविलासको अंश भागबाट मात्र अंश पाउने कुरामा विवाद हुन सक्दैन । निज रामविलास समेतले अन्यथा भन्न नसकेको सो लिखतको व्यहोरालाई लिखत हुँदाका वखत अंशियार नै नरहेका व्यक्तिले चुनौती दिँदैमा

ती लिखतलाई अन्यथा भन्ने अवस्था हुँदैन । तसर्थ लिखतबाटै दाइजो पेवाबाट आएको जग्गा भन्ने व्यहोरा उल्लेख भएको अवस्थामा मुलुकी ऐन, अंश वण्डाको १८ नं. तथा स्त्री अंशधनको ५ नं. समेतका आधारमा त्यसमा वादीले दावी गर्न नमिल्ने ।

इजलास अधिकृत : उमेश कोइराला  
इति संवत् २०६६ साल कात्तिक २५ गते रोज ४ शुभम् ।

१४.

**स.का.सु.प्र.न्या.श्री अनूपराज शर्मा र मा.न्या.श्री प्रकाश बस्ती**, २०६१ सालको दे.पु.नं.८३१७, अंशवण्डा जग्गा बण्डा गरिपाऊँ, *तुरन्त मण्डल वि. उत्तिमप्रसाद मण्डल*

नक्सा मुचुल्काले न.नं. ३,८ र ९ लाई प्रतिवादीको भोगको घर जग्गा भन्ने स्पष्ट गरेको छ । सो नक्सा मुचुल्कालाई प्रतिवादीले कहिकतै चुनौती दिएको नपाइएको र विवादको जग्गालाई खरिदी जग्गा भन्ने कथनको पुष्टि हुने खालको प्रमाण समेत पेश गर्न नसकेको अवस्थामा वण्डापत्रमा नसमेटिएको विवादको घर जग्गा प्रतिवादीको एकलौटी हक भोगको भनी सम्भन मान्न मिल्ने अवस्था देखिएन । सगोलका अंशियारमध्येका ३ दाजुभाइमध्ये जेठा नथुनी र प्रतिवादी उत्तिमप्रसादको नाममा पुख्र्यौली गाउँमा बसोबासको घरजग्गा रहेको तर वादीको बसोबासको लागि सो स्थानमा छुट्टै घर रहेको भन्ने कहिकतैबाट नदेखिएको र प्रतिवादीले समेत सोसम्बन्धी प्रमाण पेश गर्न नसकेको अवस्थामा वादीले जनकपुरमा जग्गा खरिद गरी घर बनाएको भन्ने आधारमा गाउँब्लकको घर जग्गालाई प्रतिवादीको हकभोगभित्रको भनी वादीको हक नलाग्ने गरी अर्थ गर्नु न्यायोचित नहुने ।

इजलास अधिकृत : उमेश कोइराला  
इति संवत् २०६६ साल कात्तिक २५ गते रोज ४ शुभम् ।

१५.

**स.का.सु.प्र.न्या.श्री अनूपराज शर्मा र मा.न्या.श्री प्रकाश बस्ती**, २०६१ सालको दे.पु.नं. ९०२१, अंश दर्ता, *रामेन्द्र यादव वि. शिवनन्दन यादव समेत*

२०५१ सालमा मानो छुट्टिएको मितिमा वादी र अन्य प्रतिवादिहरूको मुख मिलिरहेको अवस्थामा फिराद परेको दिनलाई मानो छुट्टिएको मिति कायम गरी अंशवण्डा गर्ने गरेको र अंशियारभन्दा बाहिरको व्यक्तिबाट बक्सपत्र पाएको जग्गा समेत वण्डा गर्ने गरेको शुरुको फैसला नमिलेकोले सो हदसम्म उक्त फैसला केही उल्टी भई फाँटवारीमा उल्लिखित जग्गाहरू मध्ये वादीले आफ्नो बाबु प्रतिवादी देवनन्दन यादवको १ भाग अंशबाट ४ भाग लगाई सोको १ भाग अंश पाउने ।  
इजलास अधिकृत : उमेश कोइराला  
इति संवत् २०६६ साल कात्तिक २५ गते रोज ४ शुभम् ।

१६.

**मा.न्या.श्री अनूपराज शर्मा र मा.न्या.श्री भरतराज उप्रेती**, २०६० सालको रिट नं. ३१६३, उत्प्रेषणयुक्त परमादेश, *कुशहरी के.सी. समेत वि. श्रम अदालत सानोगौचर काठमाडौँ समेत*

प्रतिष्ठानको आचरणबाट अप्रत्यक्ष रूपमा सेवा अन्त्य गरेको अवस्था (Constructive Dismissal) मा के कारणले सेवा अन्त्य भयो भन्ने कुराको जानकारी सम्बन्धित कामदार तथा कर्मचारीलाई थाहा नहुने हुनाले यस्तो कारवाहीलाई श्रम ऐनको परिच्छेद ८ अनुसारको खराब आचरण तथा सजाय सम्बन्धमा गरिएको कारवाही सजाय वा आदेश मान्न सकिने अवस्था देखिएन र निवेदकलाई अप्रत्यक्ष रूपमा अवकाश दिने आधार र कारण खुलाई प्रतिरक्षा गर्ने मौका समेत दिई कानूनबमोजिम निर्णय गरेको नदेखिएको हुँदा यी निवेदकलाई निजहरूले काम गरी आएको कारखानाभित्र प्रवेश गर्नबाट रोक लगाई अप्रत्यक्ष रूपमा सेवाबाट अवकाश दिने कार्य गरेको देखिएकोले यस्तो कार्य प्रचलित श्रम ऐन, २०४८ का दफा १० अन्तर्गत सेवाको प्रत्याभूति सम्बन्धमा गरिएको व्यवस्थाविपरीतको कार्य भएको देखिने ।

इजलास अधिकृत : विष्णुप्रसाद अर्याल  
कम्प्युटर : रामशरण तिमिल्सिना  
इति संवत् २०६६ साल असोज १८ गते रोज १ शुभम् ।

१७.

**मा.न्या.श्री अनूपराज शर्मा र मा.न्या.श्री भरतराज उप्रेती**, रिट नं. ०६३-WO-००४२, उत्प्रेषण समेत, रञ्जनचन्द्र श्रेष्ठ वि. गृह मन्त्रालय सिंहदरवार समेत

संविधान र कानूनबमोजिम सरकारवादी भै चलन नसक्ने मुद्दालाई सरकारवादी भनी सरकारी वकीलको निर्णयबिना दायर भएको अभियोजनसम्बन्धी प्रारम्भिक काम कारवाही नै संविधानप्रतिकूल गैरकानूनी देखिन आएकोले त्यस्तो संविधानविपरीतको गैरकानूनी अभियोजनका आधारमा मुद्दाको सुनुवाई गरी निवेदकलाई एक वर्ष कैद समेत हुने ठहर्‍याएको मध्यमाञ्चल क्षेत्रीय प्रहरी विशेष अदालतको मिति २०६१।१।२ को फैसला सदर गर्ने गरेको केन्द्रीय प्रहरी विशेष अदालतको मिति २०६३।३।१२ को निर्णय त्रुटिपूर्ण देखिन आएकोले उत्प्रेषणको आदेशद्वारा बदर हुने ।  
इजलास अधिकृत : नारायण सुवेदी  
कम्प्युटर : सीता गुरुङ  
इति संवत् २०६६ साल मंसिर ९ गते रोज ३ शुभम् ।

**इजलास नं. १**

१.

**मा.न्या.श्री रामप्रसाद श्रेष्ठ र मा.न्या.श्री बलराम के.सी.**, २०६२ सालको रिट नं. २९२७, उत्प्रेषण, रामाशंकर कुमार समेत वि. शिक्षक सेवा आयोग सानोठिमी भक्तपुर समेत

निवेदकको हकमा निजको कार्यसम्पादन मूल्याङ्कनवापत दिएको अङ्क काटेर पहिलेको भन्दा कम अङ्क दिई पहिलोपटक प्रकाशित सूचनामा कायम गरिएकोभन्दा कम अङ्क कायम गरी बहुवाको सूचीबाट हटाएको देखिन आएकोले प्रत्यर्थीहरूद्वारा मिति २०६२।७।११ को प्रकाशित बहुवासम्बन्धी संशोधन नामावली उत्प्रेषणको आदेशले बदर भई मिति २०६१।१।२८ को गोरखापत्रमा प्रकाशित

योग्यताक्रमअनुसार निजलाई बहुवाको नियुक्ति दिनु भनी परमादेश जारी हुने ।

इजलास अधिकृत : कृष्णमुरारी शिवाकोटी

कम्प्युटर : वेदना अधिकारी

इति संवत् २०६६ साल कात्तिक १० गते रोज ३ शुभम् ।

२.

**मा.न्या.श्री रामप्रसाद श्रेष्ठ र मा.न्या.श्री भरतराज उप्रेती**, २०६३ सालको फौ.पु.नं. १९४, आदेश बदर गरिपाऊँ, अख्तियार दुरुपयोग अनुसन्धान आयोग वि. चिरागमानसिंह कुँवर

तत्कालीन आवास तथा भौतिक योजना मन्त्रालयबाट मिति २०४७।२।१० मा प्रत्यर्थीलाई पुनर्बहाली गर्ने गरी भएको निर्णय समेत बदर नगरी आयोगबाट सो निर्णयको दुष्परिणाम सच्चाउने र प्रत्यर्थीलाई मिति २०४६।५।१४ बाटै अवकाश पाएको मानी आवश्यक कारवाही गर्ने गरी खाने पानी संस्थानलाई लेखी पठाउने गरी भएको निर्णयबाट प्रत्यर्थी चिरागमान सिंहले आफूउपरको आरोप खण्डन गरी सफाइ पेश गर्ने प्राकृतिक न्यायको नैसर्गिक अवसरबाट समेत वञ्चित हुने अवस्था सिर्जना हुनका साथै जुन निकायबाट निजलाई पुनर्बहाली गरिएको हो निकायलाई सो पुनर्बहाली गर्नुको आधार कारण र औचित्यका विषयमा कुनै कुरा बुझ्दै नबुझी पुनर्बहाली निर्णय कार्यान्वयन गर्ने खाने पानी संस्थानलाई सो पुनर्बहाली निर्णयको विपरीत हुने गरी मिति २०४६।५।१४ देखि नै लागू हुने गरी अवकाश भएको मानी कारवाही गर्न लेखी पठाएको निर्णय त्रुटिपूर्ण देखिने ।

इजलास अधिकृत : विदुर कोइराला

इति संवत् २०६६ साल पुस १९ गते रोज १ शुभम् ।

**इजलास नं. २**

१.

**मा.न्या.श्री खिलराज रेग्मी र मा.न्या.श्री राजेन्द्रप्रसाद कोइराला**, २०६२ सालको विविध नं.

१४९, अपहेलना, कृष्णप्रसाद देवकोटा वि. बाबुराम खड्का

अदालत सबैको समान अस्तित्व स्वीकार गर्दै निष्पक्ष तवरबाट संविधान एवं कानूनअनुरूप न्याय सम्पादन गर्ने पवित्र कार्यमा लागेको हुँदा यसलाई न्याय मन्दिरको उपनाम समेतले सम्बोधन गर्दै आएको परिप्रेक्ष्यमा यस्तो सम्मानित संस्थामा आई अशिष्ट तवरबाट वादविवाद गर्नु, हात हालाहाल, लछारपछार जस्ता अशोभनीय कार्यहरू हुन्छन् भन्ने कल्पनासम्म गर्न सकिँदैन । तर अदालत परिसरभित्रै यस्ता असभ्य घटना घटेमा अदालतप्रति सर्वसाधारण जनताको नकारात्मक धारण बस्न जाने हुँदा यस्ता गैरजिम्मेवार तथा गैरकानूनी कार्यलाई तुरुन्त दुरुत्साहन गर्नु अति जरुरी हुने कुरामा समेत दुई मत नहुने हुँदा विपक्षी बाबुराम खड्काको कार्यबाट न्यायिक काममा अवरोध पुऱ्याई यस अदालतको अपहेलना भएको ठहर्ने ।

इजलास अधिकृत : कृष्णप्रसाद सुवेदी

कम्प्युटर : वेदना अधिकारी

इति संवत् २०६५ साल भदौ ९ गते रोज ३ शुभम् ।

२.

**मा.न्या.श्री खिलराज रेग्मी र मा.न्या.श्री राजेन्द्रप्रसाद कोइराला**, २०५९ सालको दे.पु.नं. ८५०३, मिलापत्र बदर हक कायम, आशाभाई मुनिकार वि. श्रीमाया महर्जन समेत, २०६४ सालको दे.पु.नं. CI-०७८३, देवलक्ष्मी मुनिकार वि. श्रीमाया महर्जन समेत

श्रीमाया महर्जन र सानुमाया महर्जनको विवाह भै सकेको अवस्था हुँदा निजहरूको हकमा आमा अष्टमायाको अपुतालीको हिसाबबाट र प्रतिवादी आशाभाई मुनिकारको हकमा निजका पिता आशामरुको अंशको हिसाबबाट दावीका जग्गाहरूमा हक कायम हुने निर्णय गर्नु तर्कसंगत एवं कानूनसम्मत देखिन्छ । सो सन्दर्भबाट हेर्दा प्रतिवादी आशाभाई मुनिकारको दावीको जग्गामा अंशको सन्दर्भबाट हक कायम हुन आउने देखिन्छ भने वादीहरूको हकमा अपुतालीको सन्दर्भबाट

विवादको जग्गामा समान रूपको हक कायम हुने अवस्था देखिँदा वादी दावीको जग्गाहरूमा वादी प्रतिवादीहरूको आधा-आधा हक कायम हुने ।

इजलास अधिकृत : कृष्णप्रसाद सुवेदी

कम्प्युटर : वेदना अधिकारी

इति संवत् २०६५ साल भदौ ९ गते रोज ३ शुभम् । यसै लगाउका निम्न मुद्दाहरूमा यसैअनुरूप निर्णय भएका छन् :

- २०५९ सालको दे.पु.नं. ८५०५, लिखत दर्ता बदर दर्ता, आशाभाई मुनिकार वि. श्रीमाया महर्जन समेत
- २०५९ सालको दे.पु.नं. ८५०४, लिखत दर्ता बदर, आशाभाई मुनिकार वि. श्रीमाया महर्जन समेत
- २०५९ सालको दे.पु.नं. ८५०७, लिखत बदर दर्ता, आशाभाई मुनिकार वि. श्रीमाया महर्जन समेत
- २०५९ सालको दे.पु.नं. ८५०६, निर्णय दर्ता बदर, आशाभाई मुनिकार वि. श्रीमाया महर्जन समेत, २०६४ सालको दे.पु.नं. CI-०७८४, देवलक्ष्मी मुनिकार वि. श्रीमाया महर्जन समेत

इजलास नं. ३

१.

**मा.न्या.श्री बलराम के.सी. र मा.न्या.श्री कृष्णप्रसाद उपाध्याय**, २०६६ सालको स.फौ.पु.नं. ०६५-CR-०५७२, विदेशी विनिमय शर्तअनुरूप प्रयोग नगरेको, नेपाल सरकार वि. कैलाशध्वज खाँड

प्रतिवादी कैलाशध्वज खाँडले कुनै शर्तमा वा विदेशबाट सामान आयात गर्न भनी विदेशी विनिमय प्राप्त गरेको भन्ने देखिँदैन । केवल निज महेन्द्रबहादुर बस्नेतले खोलेको प्रतीतपत्रमा जमानीसम्म बसेको भन्ने देखिन्छ । यसरी निज स्वयंले विदेशी विनिमय प्राप्त नगरी केवल जमानीसम्म बसेको अवस्थामा त्यस्तो जमानी बसेको (ग्यारेन्टी गर्ने) व्यक्तिलाई सजाय गर्ने

व्यवस्था भएको उल्लिखित ऐनबाट देखिँदैन । सामान्य अवस्था वा सोचाइमा भन्नु पर्दा विदेशी विनिमय जुन नेपालले बढो कठिनताका साथ प्राप्त गर्दछ, त्यस्तो वस्तुको अपचलन, दुरुपयोग गर्ने वा सरकारबाट कुनै शर्तमा त्यस्तो विनिमय प्राप्त गरी त्यस्ता शर्तको उल्लंघन गर्ने र सो कार्य गर्न जुनसुकै किसिमले सहयोग पुऱ्याउने व्यक्तिलाई पनि सजाय गर्नुपर्छ भन्ने मान्यता रहन सक्छ । तर विद्यमान कानूनले कुनै कार्यलाई अपराध नमानी कुनै सजायको व्यवस्था नगरेको अवस्थामा अदालतले त्यस्तो कार्यलाई अपराध मानी सजाय गर्न नसक्ने ।

इजलास अधिकृत : उपेन्द्रप्रसाद गौतम

कम्प्युटर : निर्मला भट्ट

इति संवत् २०६६ साल मंसिर २१ गते रोज १ शुभम् ।

- यसै प्रकृतिको २०६६ सालको स.फौ.पु.नं. ०६५-CR-०५७३, विदेशी विनिमय शर्तानुरूप प्रयोग नगरेको, नेपाल सरकार वि. कैलाशध्वज खाँड भएको मुद्दामा यसैअनुरूप निर्णय भएको छ ।

२.

**मा.न्या.श्री बलराम के.सी. र मा.न्या.श्री कृष्णप्रसाद उपाध्याय,** २०६३ सालको रिट नं. ३६३३, उत्प्रेषणयुक्त परमादेश समेत, *वनवारीलाल मित्तल वि. नेपाल नागरिक उड्ययन प्राधिकरण त्रिभुवन अन्तर्राष्ट्रिय विमानस्थल गौचर काठमाडौं समेत*

विपक्षीले निवेदकबाट दोहोरो भाडा लिने गरी मिति २०६३।२।२३ मा गरेको टारिफ एण्ड रेभिन्सु कमिटीको निर्णय तथा २०६३।३।५ को पत्र समेत न्याय र कानूनसंगत नहुँदा उक्त निर्णय तथा पत्र बदर गरिदिएको छ । साथै उक्त निर्णय एवं पत्रअनुसारको दोहोरो भाडा (दस्तूर) समेत नलिनु तथा लिन नलगाउनु भनी परमादेश समेत जारी हुने ।

इजलास अधिकृत : उपेन्द्रप्रसाद गौतम

कम्प्युटर : सुदीप पञ्जानी

इति संवत् २०६६ साल कात्तिक २३ गते रोज २ शुभम् ।

३.

**मा.न्या.श्री बलराम के.सी. र मा.न्या.श्री प्रकाश वस्ती,** २०६४ सालको फौ.पु.नं. ०६४-RI-०५२४, साधारण चोरी, नेपाल सरकार वि. टिकाबहादुर थापा

जाहेरवालाको चोरीको मोटरसाइकल प्रतिवादीबाट रंगेहात बरामद भएको अवस्था देखिँदा चोरीको कसूर स्थापित भएको छ । जाहेरवाला अदालतमा अनुपस्थित भए पनि प्रतिवादीले दशीको मोटरसाइकल आफूसँग रहेको वैधानिक आधार प्रमाणित गर्न नसकेकोले अभियोग दावीबाट सफाई दिएको शुरु पर्सा जिल्ला अदालतको फैसला सदर गरेको पुनरावेदन अदालत हेटौडाको मिति २०६३।६।३ को फैसला उल्टी भै प्रतिवादी टिकाबहादुर थापालाई मुलुकी ऐन चोरीको महलको १ नं. को कसूर अपराधमा ऐ १२ नं. अनुसार १ महिना कैद र विगोवमोजिम जरीवाना रु. ६०,०००।-(साठी हजार) हुने ।

इजलास अधिकृत : महेन्द्रप्रसाद पोखरेल

कम्प्युटर : निर्मला भट्ट

इति संवत् २०६६ साल भदौ ४ गते रोज ५ शुभम् ।

४.

**मा.न्या.श्री बलराम के.सी. र मा.न्या.श्री कृष्णप्रसाद उपाध्याय,** २०६२ सालको रिट नं. ३७९८, उत्प्रेषणयुक्त परमादेश, *कृष्णबहादुर महर्जन वि. धर्मलक्ष्मी बज्राचार्य समेत*

नक्साबाट कि.नं. ३६४ जग्गाको परिश्चमतर्फ कि.नं. जग्गा देखिन्छ । कि.नं. ३६५ जग्गाको पनि मोही निवेदक नै भएको देखिन्छ । सोही कुरालाई मिलाएर भूमिसुधार कार्यालयबाट बाँडफाँड भएको देखिन्छ । अर्को महत्त्वपूर्ण कुरा यस बाँडफाँडबाट कि.नं. ३६५ को पूर्वतर्फ साँधमा कि.नं. ३६४ को पश्चमतर्फ जग्गधनी धर्मलक्ष्मीलाई परेको छ । त्यसको पूर्वतर्फ कि.नं. ४७० जग्गा र कि.नं. ४७० को पूर्वतर्फ रिडरोड देखिन्छ । कि.नं. ४७० खरीद गरी बाटोसम्म जोडिने भन्ने कुराको प्रमाण निवेदकले देखाउन सकेको

स्थिति नदेखिँदा नापी शाखा, वडा कार्यालय, स्थलगत निरीक्षण समेतका प्रमाण बुझी भूमिसुधार कार्यालयबाट नरम करम मिलाई बाँडफाँड भएकोमा रिट जारी गर्नुपर्ने नदेखिँदा खारेज हुने ।

इजलास अधिकृत : महेन्द्रप्रसाद पोखरेल

कम्प्युटर : सुदीप पंजानी

इति संवत् २०६६ साल भदौ ५ गते रोज ६ शुभम् ।

५.

**मा.न्या.श्री बलराम के.सी. र मा.न्या.श्री कृष्णप्रसाद उपाध्याय**, २०६१ सालको दे.वि.नं. १३२, घर हटाई खिचोला मेटाई चलन चलाई पाऊँ, *रंगीलाल कुर्मी वि. शत्रुधनप्रसाद कुर्मी*

न्याय प्रशासन ऐन, २०४८ को दफा ड(४) अनुसार पुनरावेदन अदालतमा दुई जना न्यायाधीशबीच राय नमिली तेस्रो न्यायाधीश समक्ष पेश भएकोमा तेस्रो न्यायाधीशको राय ठहर पनि पहिले व्यक्त गर्ने दुवै न्यायाधीशसँग नमिली बहुमत कायम हुन नसकेको अवस्थामा मात्र यस सर्वोच्च अदालतमा निर्णयको लागि मुद्दा प्रेषित गर्नुपर्नेमा तेस्रो न्यायाधीशले आफ्नो कुनै राय ठहर नै नदिई सर्वोच्च अदालतबाट निराकरण हुन उपयुक्त हुने भनी उपयुक्तताको आधारमा पुनरावेदन अदालतमा विचाराधीन मुद्दा यस अदालतमा प्रेषित गर्न नमिले ।  
इजलास अधिकृत : कमलप्रसाद पोखरेल  
इति संवत् २०६६ साल मंसिर २९ गते रोज २ शुभम् ।

६.

**मा.न्या.श्री बलराम के.सी. र मा.न्या.श्री मोहनप्रकाश सिटौला**, २०६३ सालको फौ.पु.नं. ०१७१, कर्तव्य ज्यान, *नेपाल सरकार वि. महेन्द्रबहादुर राउत समेत*  
प्रतिवादीहरूले मृतकलाई चोरीको विषयमा सोधपुछ मात्र गरेको भन्ने देखिन्छ । तर कुटपीट इत्यादि गरी ज्यान मार्नेसम्मको कार्य गरेको भन्ने साक्षी प्रमाणहरूबाट पुष्टि हुन नसकेकोले अभियोग दावीबाट सफाइ पाउने ।

इजलास अधिकृत : महेन्द्रप्रसाद पोखरेल

कम्प्युटर : निर्मला भट्ट

इति संवत् २०६६ साल भदौ १ गते रोज २ शुभम् ।

७.

**मा.न्या.श्री बलराम के.सी. र मा.न्या.श्री मोहनप्रकाश सिटौला**, २०६३ सालको फौ.पु.नं. ०३५७, लागू औषध (गाँजा), *नेपाल सरकार वि. मानबहादुर थापा समेत*

प्रतिवादी विदुर केवट अधिकार प्राप्त अधिकारीसमक्ष कसूरमा सावित भए पनि अदालतमा कसूरमा इन्कार देखिन्छन भने प्रतिवादी पोकबहादुर परियार अधिकार प्राप्त अधिकारीसमक्ष र अदालतसमक्षको बयानमा पनि कसूरमा इन्कार छन् । सहअभियुक्तहरूले प्रतिवादी विदुर केवट र प्रतिवादी पोकबहादुर परियारलाई जिल्ला अदालतसमक्ष बयानमा पोल गरेको देखिँदैन । प्रतिवादीहरू वरामदी मुलुकामा बसेको देखिए तापनि अन्य स्वतन्त्र प्रमाणबाट निजहरूको अभियोग पुष्टि हुन सकेको नदेखिँदा प्रतिवादी पोकबहादुर परियार र प्रतिवादी विदुर केवटलाई सफाई दिएको फैसला मिलेकै देखिँदा सदर हुने ।

इजलास अधिकृत : महेन्द्रप्रसाद पोखरेल

कम्प्युटर : सुदीप पंजानी

इति संवत् २०६६ साल भदौ १ गते रोज २ शुभम् ।

८.

**मा.न्या.श्री बलराम के.सी. र मा.न्या.श्री अवधेशकुमार यादव**, २०६५ सालको रिट नं. ०६५-WO-०४१६, उत्प्रेषणयुक्त परमादेश समेत, *जगतकुमारी कुँवर समेत वि. वाणिज्य तथा आपूर्ति मन्त्रालय सिंहदरवार काठमाडौँ समेत*

निवेदकको कि.नं. ३६३ को जग्गा विपक्षीले कानूनी प्रक्रिया पूरा गरी अधिग्रहण वा प्राप्त गरेको भन्ने कुनै प्रमाण पेश गर्न नसकेको अवस्थामा विपक्षी मालपोत कार्यालय ललितपुरले निवेदकहरूको कि.नं. ३६३ को जग्गाको लगत काटी विपक्षी नेपाल खाद्य संस्थानको नाममा लगत कायम गर्ने गरेको मिति २०४७।७।२८ को निर्णय विपक्षी नेपाल खाद्य संस्थानको नाममा लगत कायम गर्ने गरेको मिति २०४७।७।२८ को निर्णय र सो निर्णयसम्बन्धी टिप्पणीलगायतका सम्पूर्ण काम



कारवाही कानूनन् मिलेको नदेखिँदा उक्त निर्णय उत्प्रेषणको आदेशद्वारा बदर हुने ।

इजलास अधिकृत : उपेन्द्रप्रसाद गौतम

कम्प्युटर : निर्मला भट्ट

इति संवत् २०६६ साल मंसिर २५ गते रोज ५ शुभम् ।

९.

**मा.न्या.श्री बलराम के.सी. र मा.न्या.श्री अवधेशकुमार यादव**, २०५४ सालको फौ.पु.नं. १६९९, भ्रष्टाचार, श्री ५ को सरकार वि. कर्णबहादुर कार्की समेत

प्रतिवादी देवीबहादुर पुरानो कर्जा म्यादभिन्न चुक्ता नगर्दै नयाँ कर्जाहरू स्वीकृत गराउदै गएको देखिन्छ । पहिले लिएको कर्जा रकम चुक्ता नगरी र चुक्ता गर्न प्रयास पनि नगरी थप कर्जा लिई नै रहेबाट निजले बैंकसँग गरेको कारोबार शुद्ध नियतले मात्र गरेको देखिन आउदैन । त्यसर्थ बैंकका कर्मचारीहरू कर्णबहादुर कार्की, धुवराज शाही र जगदीशलाल श्रीवास्तवको बदनियतिपूर्ण मिलेमतोले राष्ट्रिय वाणिज्य बैंकलाई आर्थिक क्षति पुऱ्याउने र आफूलाई आर्थिक लाभ पुऱ्याउने गरी भ्रष्टाचार निवारण ऐन, २०१७ को दफा ७(२) अन्तर्गत कसूर गरेको पुष्टि हुन आयो । प्र.देवीबहादुरले राष्ट्रिय वाणिज्य बैंकबाट कर्जा लिई चुक्ता नगरी निरीक्षण टोलीलाई आर्थिक प्रलोभनमा पारी भूट्टो प्रतिवेदन तयार गर्न भूमिका निर्वाह गरी भ्रष्टाचार निवारण ऐन, २०१७ को दफा ८ अन्तर्गतको कसूर गरेको देखिने ।

इजलास अधिकृत : महेन्द्रप्रसाद पोखरेल

कम्प्युटर : सुदीप पंजानी

इति संवत् २०६६ साल साउन २७ गते रोज ३ शुभम् ।

यसै लगाउका निम्न मुद्दाहरूमा यसैअनुरूप निर्णय भएका छन् :

- २०६२ सालको रिट नं. ३७११, उत्प्रेषणयुक्त परमादेश, देवीबहादुर राई वि. राष्ट्रिय वाणिज्य बैंक केन्द्रीय कार्यालय समेत
- २०६२ सालको रिट नं. ३७१०, उत्प्रेषण समेत, रामबहादुर कुँवर वि. राष्ट्रिय वाणिज्य बैंक केन्द्रीय कार्यालय समेत

- २०६२ सालको रिट नं. ३७१३, उत्प्रेषणयुक्त परमादेश, दुर्गाकुमारी राई वि. राष्ट्रिय वाणिज्य बैंक केन्द्रीय कार्यालय समेत

- २०६२ सालको रिट नं. ३७१२, उत्प्रेषणयुक्त परमादेश, बमबहादुर भण्डारी वि. राष्ट्रिय वाणिज्य बैंक केन्द्रीय कार्यालय समेत

- २०५५ सालको फौ.पु.नं. १८४५, भ्रष्टाचार, कर्णबहादुर कार्की वि. श्री ५ को सरकार

- २०५६ सालको फौ.पु.नं. २२८९, भ्रष्टाचार, देवीबहादुर राई वि. श्री ५ को सरकार

- २०५५ सालको फौ.पु.नं. १७३०, भ्रष्टाचार, धुवराज शाही वि. श्री ५ को सरकार

१०.

**मा.न्या.श्री बलराम के.सी. र मा.न्या.श्री अवधेशकुमार यादव**, २०६४ सालको फौ.पु.नं. ३६, भ्रष्टाचार, जगदीशलाल श्रीवास्तव वि. खगेन्द्र बस्नेत

भ्रष्टाचारको मुद्दामा आरोपित कसूर मैले नगरेको मेरो संलग्नता नरहेको र म निर्दोष छु भन्ने कुराको पुष्टि प्रतिवादीले गर्नुपर्ने हुन्छ । सो नगरेसम्म प्रतिवादी निर्दोष हुन निजले कसूर गरेको होइन भनी भन्न मान्न मिल्दैन । खराब नियत छ छैन भन्ने कामको प्रकृतिबाट स्पष्ट हुन्छ । पुनरावेदकउपर समेत धितो कम रहे पनि कर्जा प्रवाह गर्दै गएको र लेखिएभन्दा धितो कम रही हिनामिना भएको देखिए पनि कर्जाको सीमा (Loan Limit) बढाएको जस्ता आरोप लागेको छ उक्त आरोपित काम कुरा गरेको छैन भन्ने कुराको कुनै प्रमाण प्रतिवादीले पेश गरेको छैन तर अभियोजन पक्षबाट प्रतिवादीको कसूर प्रमाण समेतबाट पुष्टि भइरहेको देखिन्छ । यस्तो अवस्थामा प्रतिवादीको बदनियती रहेनछ भनी अनुमान गर्न नमिल्ने ।

इजलास अधिकृत : महेन्द्रप्रसाद पोखरेल

कम्प्युटर : सुदीप पंजानी

इति संवत् २०६६ साल साउन २७ गते रोज ३ शुभम् ।

११.

**मा.न्या.श्री बलराम के.सी. र मा.न्या.श्री प्रकाश वस्ती**, २०६५ सालको फौ.पु.नं. ०६४-CR-०७९५, करकापमा गराएको करारनामा बदर घोषित समेत गरी पाऊँ, *मंगलादेवी पौडेल वि. मिलन गुरुङ*

वादीले करकापसँग करारनामा गराएको भनी दावी लिएकोमा सोभन्दा पछि करारनामामा उल्लेख भएको कि.नं. ११८ को घर जग्गा बाँडफाँड हुने गरी भूमिसुधार कार्यालय काठमाडौँबाट निर्णय भएको देखिन्छ । बाँडफाँडको निर्णय पुनरावेदकले बदर गराउन सकेको देखिँदैन । करकापबाट करारनामा गराएको भन्ने प्रमाण कागजबाट पुष्टि पनि भएको छैन । दावी लिएकै आधारमा करकाप भन्न नमिल्ने तथा भूमिसुधार कार्यालय काठमाडौँको निर्णय बदर गर्ने आधार र कारण देखिँदैन । तसर्थ भूमिसुधार कार्यालय काठमाडौँको निर्णय अन्तिम भएर बसेको आधारमा वादी दावी पुन नसक्ने ।  
इजलास अधिकृत : महेन्द्रप्रसाद पोखरेल  
कम्प्युटर : निर्मला भट्ट  
इति संवत् २०६६ साल भदौ ४ गते रोज ५ शुभम् ।

१२.

**मा.न्या.श्री बलराम के.सी. र मा.न्या.श्री प्रकाश वस्ती**, २०६४ सालको फौ.पु.नं. CR- ५११, कुटपीट लुटपीट, *किशोर राम चमार वि. गरीब्राम चमार समेत*

वादीको जिकीरअनुसार तीन दाजुभाइ जवाहिरलाल राम, उमाशंकर राम र वादी किशोरीराम चमार भारतबाट फर्किँदा लुटिएको कुटिएको भन्ने छ । फिरादी किशोरीराम चमारको मात्र फिराद परेको छ । अरु जवाहिरलाल राम र उमाशंकर रामको फिराद परेको छैन । ती दुई भाइलाई साक्षीसम्म पनि राखिएको छैन । वास्तवमा वादीको सक्कली र सच्चा साक्षी त ती दुई भाइ हुन् । ती दुई भाइ आफैले फिराद नगरे पनि साक्षीमा पेश हुनुपर्ने सो समेत नदेखिएकोले लुटपीटको वादी दावी पुन नसक्ने ।  
इजलास अधिकृत : महेन्द्रप्रसाद पोखरेल  
इति संवत् २०६६ साल भदौ ४ गते रोज ५ शुभम् ।

१३.

**मा.न्या.श्री बलराम के.सी. र मा.न्या.श्री भरतराज उप्रेती**, २०६४ सालको रिट नं. ०६४-WO-०१३५, उत्प्रेषण समेत, *ज्ञानबहादुर थापा वि. भूमिसुधार तथा व्यवस्था मन्त्रालय समेत*

कुनै पनि प्रकारको रिट जारी हुन मौलिक हक वा कानूनी हक हनन् भएकोमा सो हक प्रचलन गराउने अन्य प्रभावकारी बैकल्पिक उपचारको बाटो नभएको हुनुपर्छ भन्ने रिटको सैद्धान्तिक र मान्य सिद्धान्त हो । नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ को धारा १०७(२) मा पनि बैकल्पिक उपचारको मार्ग नभएको अवस्थामा रिट क्षेत्र आकर्षित हुन सवैधानिक व्यवस्था रहेभएको देखिन्छ ।

पुनरावेदन जस्तो अति नै प्रभावकारी बैकल्पिक उपचारको मार्ग अवलम्बन गरी पुनरावेदन अदालतमा विचाराधीन रहेको अवस्थामा सोही मुद्दाबाट न्याय निरूपण हुने भएकोले रिट क्षेत्र आकर्षित हुन नसक्ने र तल्लो अदालत वा निकायमा विचाराधीन रहेको मुद्दामा हुने निर्णयलाई असर पर्ने गरी रिट क्षेत्रबाट हस्तक्षेप गर्न नमिल्ने ।  
इजलास अधिकृत : नारायण रेग्मी  
कम्प्युटर : सुदीप पंजानी  
इति संवत् २०६६ साल मंसिर १८ गते रोज ५ शुभम् ।

१४.

**मा.न्या.श्री बलराम के.सी. र मा.न्या.श्री भरतराज उप्रेती**, २०६४ सालको रिट नं. ०६४-WO-०३७६, उत्प्रेषण, *समीर शर्मा वि. मालपोत कार्यालय काठमाडौँ समेत*

बैकल्पिक उपचारको बाटो अवलम्बन गरी पुनरावेदनको रोहमा मुद्दा विचाराधीन रहेको अवस्थामा सोही पुनरावेदनको माध्यमबाट उपचार प्राप्त गर्ने अवस्थामा प्रस्तुत रिट निवेदनको औचित्य नभएको र पुनरावेदन अदालतमा विचारणीय रहेको मुद्दामा निस्कने परिणामलाई प्रभावित हुने गरी रिट क्षेत्रबाट हस्तक्षेप गर्न नमिल्ने ।  
इजलास अधिकृत : नारायण रेग्मी  
कम्प्युटर : सुदीप पंजानी  
इति संवत् २०६६ साल मंसिर १८ गते रोज ५ शुभम् ।

१५.

**मा.न्या.श्री बलराम के.सी. र मा.न्या.श्री भरतराज उप्रेती**, २०६३ सालको दे.पु.नं. ०६३-CI-०७३५, घर उठाई निकास बाटो खुलाई पाऊँ, *किशोर ठाकुर लोहार समेत वि. लक्ष्मण साह तेली समेत*

कि.नं. ५२९ को जग्गा सार्वजनिक सडकमा परेकोमा यी पुनरावेदकले आफ्नो जग्गा बाँकी छ भने तापनि आफ्नो हक कायम गराउन नसकेको अवस्थामा उक्त सार्वजनिक हुने हुँदा अ.वं. १० नं. अनुसार सार्वजनिक हित वा सरोकार निहीत रहेको मुद्दा अड्डाको अनुमति लिई सर्वसाधारण जोसुकैले वादी भई चलाउन सक्ने नै देखिन्छ । यस्तो अवस्थामा विपक्षी वादी लक्ष्मण साह समेतले अदालतबाट अनुमति लिई चलाएको मुद्दामा क्षेत्राधिकारको अभाव भएको भन्न नमिल्ने ।

इजलास अधिकृत : उपेन्द्रप्रसाद गौतम  
इति संवत् २०६६ साल असोज २७ गते रोज ३ शुभम् ।

इजलास नं. ४

१.

**मा.न्या.श्री तपबहादुर मगर र मा.न्या.श्री कल्याण श्रेष्ठ**, २०६२ सालको रिट नं. ३०२०, उत्प्रेषण समेत, *अर्चना अग्रवाल समेत वि. नेपाल इन्भेष्टमेण्ट बैंक लिमिटेड समेत*

मित्तल वायर इण्डिष्ट्रिजले बैंकबाट ऋण लिएको र सो ऋण नतिरे बापत बैंकले निवेदक मित्तल टी स्टेट प्रा.लि.का जग्गा रोक्का राखेको भन्ने देखिएकोले जग्गा रोक्का राखेको विषय कानूनसम्मत छ छैन भन्ने कानूनी प्रश्नहरूको निरूपणसँग प्रत्यक्ष सम्बन्धित रहेको देखिन्छ र काठमाडौँ जिल्ला अदालतसमक्ष विचाराधीन मुद्दाहरूबाट सो तथ्यगत प्रश्नको समेत निरूपण हुने नै हुँदा प्रस्तुत रिट निवेदनको रोहबाट सो प्रश्नउपर विचार गर्न नमिल्ने ।

इजलास अधिकृत : मातृकाप्रसाद आचार्य  
इति संवत् २०६६ साल कात्तिक ९ गते रोज २ शुभम् ।

२.

**मा.न्या.श्री तपबहादुर मगर र मा.न्या.श्री कल्याण श्रेष्ठ**, २०६३ सालको दे.पु.नं. ०६३-CI-०६९८, परमादेश, *ज्योतिप्रकाश पाण्डे समेत वि. मोहनलाल अग्रवाल समेत*

विपक्षी नेपाल इन्भेष्टमेण्ट बैंकको लिखित जवाफमा निवेदकहरूले ऋणको सम्बन्धमा सरोकारवाला हौं भनी भनेको अवस्थामा ऋणको हिसाब किताब तथा कागजात नदेखाउने प्रश्नै उठ्तेन भन्ने उल्लेख भएको पाइन्छ । यसरी ऋण लिने भनिएको कम्पनीका सञ्चालक समितिका अध्यक्ष तथा सञ्चालक सो कम्पनीले लिएको भनिएको ऋणका सम्बन्धमा बेसरोकारवाला हुनु भन्न सकिने कुनै तर्कसंगत आधार कारण विपक्षी बैंकले लिखित जवाफमा उल्लेख गर्नसकेको पाइदैन । अतः निवेदकहरूको मागबमोजिम कर्जा कारोवारसम्बन्धी कागजातहरूको नक्कल दिनु भनी विपक्षी नेपाल इन्भेष्टमेण्ट बैंकका नाममा परमादेशको आदेश जारी हुने ।

इजलास अधिकृत : मातृकाप्रसाद आचार्य  
कम्प्युटर : अमिररत्न महर्जन  
इति संवत् २०६६ साल कात्तिक ९ गते रोज २ शुभम् ।

३.

**मा.न्या.श्री तपबहादुर मगर र मा.न्या.श्री कल्याण श्रेष्ठ**, २०६३ सालको दे.पु.नं. ०६३-CI-०६९९, निषेधाज्ञा, *ज्योतिप्रकाश पाण्डे समेत वि. प्रहरी प्रधान कार्यालय समेत*

बैंकसँगको ऋण कारोवारमा ऋण असूलीको सिलसिलामा प्रचलित कानूनबमोजिमको कारवाही चलाउनबाहेक कानूनविपरीत गरी निवेदकहरूलाई धरपकड गर्ने वा बाँदछाँद गर्ने समेतका कार्य गैरकानूनी हुने भएकोले त्यसरी कानूनविपरीत गरी निवेदकहरूलाई धरपकड गर्ने वा बाँदछाँद गर्ने गराउनेसमेतका कार्य नगर्नु नगराउनु भनी विपक्षी जिल्ला प्रहरी कार्यालय र प्रहरी प्रधान कार्यालयका नाउँमा निषेधाज्ञाको आदेश जारी हुने ।

इजलास अधिकृत : मातृकाप्रसाद आचार्य  
इति संवत् २०६६ साल कात्तिक ९ गते रोज २ शुभम् ।

४.

**मा.न्या.श्री तपबहादुर मगर र मा.न्या.श्री कल्याण श्रेष्ठ**, २०६३ सालको रिट नं. ३४४४, उत्प्रेषण समेत, *मोहनलाल अग्रवाल समेत वि. नेपाल इन्भेष्टमेण्ट बैंक लिमिटेड समेत*

विपक्षी कर्जा सूचना केन्द्र लिमिटेडको लिखित जवाफमा रिट निवेदकहरूलाई कालोसूचीमा राख्न भनी बैंकबाट लेखिआएको छैन भन्ने उल्लेख भएको देखिन्छ । यसबाट निवेदकहरूलाई बैंकले कालोसूचीमा राख्न सिफारिश गरिसकेको भन्ने नदेखिएको र कर्जा सूचना केन्द्रले कालोसूचीमा समावेश गरेको पनि नपाइएकोले निवेदकहरूको मागबमोजिमको आदेश जारी गर्नपर्ने अवस्था विद्यमान नदेखिने ।

इजलास अधिकृत : मातृकाप्रसाद आचार्य  
कम्प्युटर : अमिररत्न महर्जन  
इति संवत् २०६६ साल कात्तिक ९ गते रोज २ शुभम् ।

५.

**मा.न्या.श्री तपबहादुर मगर र मा.न्या.श्री प्रेम शर्मा**, २०६५ सालको फौ.पु.नं. ०३५३ र ०३८३, कर्तव्यज्यान, *काजी राई वि. नेपाल सरकार, नेपाल सरकार वि. पुष्प राई समेत*

घटनामा प्रत्यक्ष संलग्न समेत भएका मनिष कार्की सन्तोष लिम्बू समेतले प्रहरीमा कागज गर्दा र अदालतमा बकपत्र गर्दा समेत यी प्रतिवादी काजी राईले प्रहार गरेको छुरा प्रकाश राईलाई लागी सोही चोट पीरबाट मृतकको मृत्यु भएको भनी किटानी गरी दिएकोले समेत प्रतिवादी काजी राईको अधिकार प्राप्त अधिकारी समक्षको साविती बयान समर्थित भैरहेको देखिन्छ भने Post Mortem Report बाट पनि बायाँ कोखामा छुरा प्रहार गरी घाइते भएको कारण प्रकाश राईको मृत्यु भएको भन्ने देखिएको समेतबाट निजको सावितीलाई समर्थन गरिरहेकै देखिन्छ । यस्तो अवस्थामा प्रतिवादीको अदालतको इन्कारीलाई मात्र आधार मानी सफाइ दिन नमिल्ने भएबाट निज काजी

राईलाई मुलुकी ऐन, ज्यानसम्बन्धी महलको १३(१) नं. बमोजिम सर्वस्वसहित जन्मकैद हुने ।  
इजलास अधिकृत : नारायणप्रसाद दाहाल  
कम्प्युटर : नम्रता बास्तोला  
इति संवत् २०६६ साल कात्तिक १८ गते रोज ४ शुभम् ।

६.

**मा.न्या.श्री तपबहादुर मगर र मा.न्या.श्री रणबहादुर बम**, २०६३ सालको रिट नं. ०६२२, उत्प्रेषण, *हेमबहादुर श्रेष्ठ वि. काठमाडौं जिल्ला अदालत समेत*

यसै घर जग्गाको विषयमा अदालतमा मुद्दा परी निर्णय समेत भैसकेको देखिँदा र अन्य प्रक्रिया सोहीअनुरूप हुने नै हुँदा यसै विषयमा रिटको रोहबाट हेरी निर्णय गर्नुपर्ने औचित्य र अवस्था समेत नहुँदा निवेदन मागबमोजिम गर्न नमिल्ने ।  
इजलास अधिकृत : नारायणप्रसाद दाहाल  
कम्प्युटर : नम्रता बास्तोला  
इति संवत् २०६६ साल भदौ ११ गते रोज ५ शुभम् ।

७.

**मा.न्या.श्री तपबहादुर मगर र मा.न्या.श्री रणबहादुर बम**, २०६३ सालको रिट नं. १०२०, उत्प्रेषण, *गयापार कुर्मी वि. कपिलवस्तु जिल्ला अदालत समेत*

जिल्ला अदालतको फैसलामा घरमा वादीको हक हुने र सोही घर चलन चलाई दिनु भनी ठहरबमोजिम नै तपसील खण्डमा उल्लेख भएको अवस्था देखिएको हुँदा ठहरबमोजिम तपसील खण्डमा लेखिएको कुरा दण्ड सजायको ४३ नं. समेतले कार्यान्वयनमा रोक लगाउन मिल्ने अवस्था नहुने ।

इजलास अधिकृत : नारायणप्रसाद दाहाल  
कम्प्युटर : नम्रता बास्तोला  
इति संवत् २०६६ साल भदौ ११ गते रोज ५ शुभम् ।

८.

**मा.न्या.श्री तपबहादुर मगर र मा.न्या.श्री रणबहादुर बम**, २०६१ सालको दे.पु.नं. ८२५७, लेनदेन, *हाजी अब्दुल गफ्फार वि. बाबुराम वैश्य*

प्रतिवादीले वादीको खातामा रकम जम्मा गरेको कुरामा वादीले स्वीकार गरेको र उक्त रकम अन्य प्रयोजनको लागि हो भन्ने वादीले प्रमाणित गराउन नसकेको तथा प्रतिवादीले उक्त तमसुकबमोजिमको रकम बैंकमा जम्मा गरेको भनी जिकीर लिएको अवस्थामा उक्त खातामा जम्मा भएको रकम वादीदावीको कपाली तमसुक बमोजिमकै रकम रहेछ भनी मान्नुपर्ने ।

इजलास अधिकृत : नारायणप्रसाद दाहाल  
कम्प्युटर : नम्रता बास्तोला  
इति संवत् २०६६ साल कात्तिक १९ गते रोज ५ शुभम् ।

९.

**मा.न्या.श्री तपबहादुर मगर र मा.न्या.श्री मोहनप्रकाश सिटौला**, २०६१ सालको दे.पु.नं. ९४५६, जग्गा खिचोला, कृतिमान कुँवर वि. विष्णुमाया खड्का समेत

वादीले खरीद गरेको भन्दा बढी नै जग्गा वादीको भोगमा रहेको नक्सा मुचुल्का समेतबाट देखिएको अवस्थामा प्रतिवादीले न.नं. ९ को ०-५-२-० जग्गा खिचोला गरेको ठहराई २०६०।५।२२ मा गरेको शुरु लमजुङ जिल्ला अदालतको फैसला उल्टी गरी उक्त न.नं. ९ को क्षे.फ. ०-५-२-० जग्गामा वादीको दावी पुन नसक्ने ठहराएको पुनरावेदन अदालत पोखराको मिति २०६१।१।२ को फैसला मिलेकै देखिने ।

इजलास अधिकृत : नारायणप्रसाद दाहाल  
कम्प्युटर : नम्रता बास्तोला  
इति संवत् २०६६ साल कात्तिक १७ गते रोज ३ शुभम् ।

१०.

**मा.न्या.श्री तपबहादुर मगर र मा.न्या.श्री सुशीला कार्की**, २०६२ सालको स.फौ.पु.नं. ३१८१ र ३३५२, कर्तव्य ज्यान, नेपाल सरकार वि. रामविलास यादव एवं लक्ष्मी नारायण यादव वि. नेपाल सरकार

प्रतिवादी लक्ष्मीनारायण यादवले आफ्नी श्रीमतीसँग अवैध सम्बन्ध राखेकोले मृतकलाई योजना बनाई धारिलो हतियार दवियाले टाउको जस्तो सम्बेदनशील अङ्गमा प्रहार गरी मारेको हुँदा यस्तो मनसायपूर्वक योजनावद्ध रुपमा गरिएको

हत्यामा अ.वं. १८८ नं. परिकल्पना गरेबमोजिम भवितव्य हो भन्न नसकिने ।

वादीकै साक्षीहरूले समेत अदालतमा उपस्थित भै बकपत्र गर्दा यी प्रतिवादीले यो यस्तो कार्य गरी मारेको भनी भन्न सकेको देखिँदैन । यस्तो अवस्थामा यी प्रतिवादीले ज्यानसम्बन्धी महलको १३(३) नं. बमोजिमको कसूर अपराध नै गरेको भनी पुष्टि भएको नदेखिएकोले प्रतिवादी रामविलास यादवलाई सोही महलको दफा १७(२) नं. बमोजिम ५ वर्ष कैद हुने ।

इजलास अधिकृत : नारायणप्रसाद दाहाल  
कम्प्युटर : नम्रता बास्तोला  
इति संवत् २०६६ साल भदौ १० गते रोज ४ शुभम् ।

इजलास नं. ५

१.

**मा.न्या.श्री दामोदरप्रसाद शर्मा र मा.न्या.श्री अवधेशकुमार यादव**, २०६४ सालको रिट नं. ०६४-WO-०४०९, उत्प्रेषणसमेत, सुरेशप्रसाद यादव वि. गृह मन्त्रालय समेत

डाँका र ज्यान मार्ने उद्योगजस्तो गम्भीर फौजदारी अपराधको अभियोग लागी जिल्ला अदालतबाट पुर्पक्षका लागि थुनामा राख्ने आदेशसमेत भई कारागारमा थुनामा रहेका रिट निवेदकलाई उल्लिखित कसूरमा प्रहरी नियमावली, २०४९ को नियम ८४(ज) बमोजिम भविष्यमा सरकारी नोकरीको लागि सामान्यतः अयोग्य ठहरिने गरी नोकरीबाट बर्खास्त गर्ने गरी अधिकार प्राप्त अधिकारीबाट भएको निर्णयमा अन्यथा भएको नदेखिने ।

इजलास अधिकृत : मातृकाप्रसाद आचार्य  
कम्प्युटर : अमिररत्न महर्जन  
इति संवत् २०६६ साल कात्तिक १६ गते रोज २ शुभम् ।

२.

**मा.न्या.श्री दामोदरप्रसाद शर्मा र मा.न्या.श्री अवधेशकुमार यादव**, २०६४ सालको रिट नं. ०६०-

WO-०६७०, उत्प्रेषणसमेत, रंजितकुमार सिंह समेत  
वि. जिल्ला प्रहरी कार्यालय सर्लाही समेत

निवेदकहरू प्रहरी कर्मचारी भएका र आरोपित कसूर गरेको स्वीकार गरी निजहरूले स्पष्टीकरण दिएको अवस्थामा प्रहरी नियमावली, २०४९ बमोजिम सफाइको मौका प्रदान गरी अधिकार प्राप्त अधिकारीबाट निवेदकहरूलाई तल्लो टाइम स्केलमा घट्टुवा गर्ने गरी भएको विभागीय सजायको निर्णयमा कानूनको त्रुटि भएको नदेखिने।  
इजलास अधिकृत : मातृकाप्रसाद आचार्य  
कम्प्युटर : अमिररत्न महर्जन  
इति संवत् २०६६ साल कात्तिक १६ गते रोज २ शुभम्।

३.

**मा.न्या.श्री दामोदरप्रसाद शर्मा र मा.न्या.श्री गिरीशचन्द्र लाल**, २०६१ सालको दे.पु.नं. ८४७९, दर्ता बदर हक कायम समेत, *रामचन्द्र अधिकारी वि. मन्त्रिपरिषद् सचिवालय समेत*

२०३२ सालमा कि.नं. १९९ भनी नापी भएको र सो जग्गा निजले दावीमा उल्लिखित बकसपत्रको लिखत भिडाई २०३४ सालमा नै आफ्नो नाउँमा दर्ता गराई सकेको देखिनुको साथै वादीले नापीको समयमा प्रस्तुत दावीको जग्गा सम्बन्धमा कुनै उजूर नगरी कि.नं. १९९ को जग्गा २०३४ सालमा दर्ता गराएको धेरै पछि २०४१ सालमा मात्र प्रस्तुत दावीको जग्गा सम्बन्धमा छुट जग्गा भनी मालपोत कार्यालयसमक्ष निवेदन दावी लिएको देखिएको र दावीको जग्गा नापीकै समयमा जंगल भनी क्षेत्रीय किताबमा उल्लिखित भै नापी भएको देखिनाले वादीको दावी नपुग्ने।  
इजलास अधिकृत : मातृकाप्रसाद आचार्य  
कम्प्युटर : अमिररत्न महर्जन  
इति संवत् २०६६ साल कात्तिक १६ गते रोज ३ शुभम्।

४.

**मा.न्या.श्री दामोदरप्रसाद शर्मा र मा.न्या.श्री सुशीला कार्की**, २०६१ सालको फौ.पु.नं. ३४१४, आयकर(आ.व. ०५७५८), *आन्तरिक राजश्व कार्यालय विराटनगर वि. शाह उद्योग प्रा.लि. विराटनगर*

आन्तरिक राजश्व कार्यालयको मिति २०५९।३।१४ को आन्तरिक टिप्पणीमा प्रत्यर्थी उद्योग घाटामा गइसकेको र प्रस्तुत आ.व.मा पुरानो स्टकको मात्र बिक्री गरेको भन्ने तथ्य उल्लेख भएको देखिन्छ। यसरी उद्योगको उत्पादन बन्द भइसकेको र प्रस्तुत आ.व.को बिक्री पुरानो स्टकको बिक्री हो भन्ने प्रत्यर्थीको जिकीर भई आन्तरिक राजश्व कार्यालयले पनि प्रत्यर्थीको सो जिकीरलाई अन्यथा हो भन्न नसकेको स्थितिमा सो बिक्री कारोबारको अड्डामा पनि अन्य बिक्री सरह १० प्रतिशत नै मुनाफा भएको मानी रु.३,९५,००२।६७ खुद आय कायम गरेको आन्तरिक राजश्व कार्यालयको निर्णय आदेश तर्कसंगत नदेखिने।  
इजलास अधिकृत : मातृकाप्रसाद आचार्य  
कम्प्युटर : अमिररत्न महर्जन  
इति संवत् २०६६ साल असोज १९ गते रोज २ शुभम्।

५.

**मा.न्या.श्री दामोदरप्रसाद शर्मा र मा.न्या.श्री सुशीला कार्की**, २०६१ सालको फौ.पु.नं. ३२५८, आयकर, *आन्तरिक राजश्व कार्यालय विराटनगर वि. शाह उद्योग प्रा.लि. विराटनगर*

व्यावसायिकताको सामान्य सिद्धान्तविपरीत लागतभन्दा कम मूल्यमा वस्तु बिक्री गर्नुपरेको र लगातार नोक्सानीमा उद्योग उञ्चालन गर्नुपरेको सम्बन्धमा प्रत्यर्थी उद्योगले तथ्ययुक्त ठोस आधार प्रमाण पेश गरी प्रमाणित गर्न नसकेको अवस्थामा प्रत्यर्थी उद्योगको भनाइका आधारमा कर कार्यालयले प्रत्यर्थी उद्योगलाई कर मिन्हा गर्ने स्थिति हुँदैन। यसरी मनोगत आधारमा कर मिन्हा गर्दै जाने हो भने कर तथा राजश्व प्रशासनसम्बन्धी कानूनी व्यवस्थाहरू प्रभावहीन भई राष्ट्रको राजश्व असूली प्रक्रिया प्रभावित हुन जाने।  
इजलास अधिकृत : मातृकाप्रसाद आचार्य  
कम्प्युटर : अमिररत्न महर्जन  
इति संवत् २०६६ साल असोज १९ गते रोज २ शुभम्।

६.

**मा.न्या.श्री दामोदरप्रसाद शर्मा र मा.न्या.श्री प्रकाश वस्ती**, २०६१ सालको दे.पु.नं. ८५४१, ८५४२ र

८५५६, धनमाल, उमा राजभण्डारी समेत वि. उत्तमकुमार राजभण्डारी, भुपेन्द्रबहादुर बस्नेत वि. उत्तमकुमार राजभण्डारी, उत्तमकुमार राजभण्डारी वि. रामकुमारी बस्नेत क्षेत्री समेत

वादी तथा यी प्रतिवादी उमा राजभण्डारीका छोरा महेश राजभण्डारीले आफ्नी आमा उमा राजभण्डारी प्रतिवादी भुपेन्द्रबहादुर बस्नेतसँग दोस्रो विवाह गरी हिडेकी हुन् भनी कागज गरिदिएको पाइन्छ । प्रतिवादीहरूले अर्को विवाह गरी हिडेको भन्ने तथ्य वस्तुगत रुपबाट स्थापित हुनुपर्ने कुरा हो । मिसिल अध्ययन गर्दा निज छोरा यी वादी (बाबु) सँगै रहेबसेको भन्ने देखिन्छ । बाबुसँगै बसी निजको न्यानो माया ऐस आराम भोग गरी रहेको र बाबुले हेला गरी त्याग्न खोजेको आमाको विपक्षमा निज नावालक छोरोले वस्तुगत आधार प्रमाणबिना आफ्नी आमा दोस्रो विवाह गरी परपुरुषसँग गएको भनी व्यक्त गरेको कुरालाई प्रतिवादीका विरुद्ध प्रमाणमा ग्रहण गरी निज प्रतिवादी उमा राजभण्डारीले प्रतिवादी भुपेन्द्रबहादुर बस्नेतसँग दोस्रो विवाह गरी हिडेको भनी ठहर गर्न विवेकसम्मत नहुने ।

इजलास अधिकृत : मातृकाप्रसाद आचार्य

कम्प्युटर : अभिरत्न महर्जन

इति संवत् २०६६ साल कात्तिक १८ गते रोज ४ शुभम् ।

यसै लगाउका निम्न मुद्दाहरूमा यसैअनुरूप निर्णय भएका छन् :

- २०६३ सालको दे.पु.नं. ०६३-CI-११४०, निर्णय लिखत बदर, उमा राजभण्डारी समेत वि. उत्तमकुमार राजभण्डारी
- २०६३ सालको दे.पु.नं. ०६३-CI-११३९, अंश, उमा राजभण्डारी वि. उत्तमकुमार राजभण्डारी

इजलास नं. ६

१.

मा.न्या.श्री रामकुमारप्रसाद शाह र मा.न्या.श्री सुशीला कार्की, २०६५ सालको रिट नं. WO-

०००५, उत्प्रेषण परमादेश समेत, चन्द्रवीर सिंह कंसाकार वि. काठमाडौं महानगरपालिका समेत

निवेदक गुठियारको समेत दरखास्त नपरी वा निजको मञ्जुरी नलिई दिइएको नक्सा पासको दरखास्तबाट निवेदकको सम्पत्तिसम्बन्धी हक र सोको भोगाधिकार समेतमा प्रत्यक्ष असर पर्ने गरी सो कि.नं. १७०३ को घर भत्काउने समेत भनी काठमाडौं महानगरपालिकाबाट भएको मिति २०६४।१।१६ को निर्णय कानूनप्रतिकूल रहेकोले सो निर्णय उत्प्रेषणको आदेशद्वारा बदर हुने ।

इजलास अधिकृत : लिलाराज अधिकारी

कम्प्युटर : रानु पौडेल

इति संवत् २०६६ साल भदौ १६ गते रोज ३ शुभम् ।

२.

मा.न्या.श्री रामकुमारप्रसाद शाह र मा.न्या.श्री सुशीला कार्की, २०६१ सालको फौ.पु.नं. ३२९३, भ्रष्टाचार, गणेशप्रसाद भुसाल वि. नेपाल सरकार

प्रतिवादीले मुद्रण विभागमा सिनियर कम्पोजिटर पदमा नियुक्ति हुनको लागि पेश गरेको प्रमाणपत्र दिने संस्थाले नै नक्कली हो भनी उच्च माध्यमिक शिक्षा परिषद् सानोठिमीमार्फत् लेखी पठाएको देखिँदा त्यसरी आफ्नो शैक्षिक योग्यता ढाँटी इन्टरमिडियट परीक्षा उत्तीर्ण गरेको भनी नक्कली प्रमाण पत्र पेश गरी सो प्रमाणपत्रको आधारमा नियुक्ति समेत भई पदमा बहाल रहेको देखिएकोले सो कार्य भ्रष्टाचार निवारण ऐन, २०१७ को दफा १२ र हाल प्रचलित भ्रष्टाचार निवारण ऐन, २०५९ को दफा १६(१) बमोजिम कसूरजन्य रहेको देखिने ।

इजलास अधिकृत : विष्णुप्रसाद अर्याल

कम्प्युटर : सरस्वती पौडेल

इति संवत् २०६६ साल भदौ ९ गते रोज ३ शुभम् ।

३.

मा.न्या.श्री रामकुमारप्रसाद शाह र मा.न्या.श्री प्रकाश वस्ती, २०६४ सालको रिट नं. WO-०६०२, उत्प्रेषण समेत, दिनेशप्रसाद साह वि. प्रहरी

महानिरिक्षक महानगरीय प्रहरी आयुक्त उपत्यका प्रहरी कार्यालय काडमाडौं समेत

सफाइको मौका दिन मनासिव नपर्ने भएमा सो कुराको पर्चा खडा गरेर मात्र कारवाही गर्नुपर्नेमा सो नगरेको अवस्थामा प्रहरी नियमावली, २०४९ को नियम ८९(२) ले सफाइ पेश गर्न मौका दिनु पर्ने अनिवार्य व्यवस्था पालन नगरी, स्पष्टीकरण पेश गर्ने मौका नै नदिई, सेवाबाट हटाउने गरी गरेको उपत्यका ट्राफिक कार्यालयको मिति २०६१।३।२८ को निर्णय कानूनसंगत र प्राकृतिक न्यायको सिद्धान्तको प्रतिकूल हुँदा उत्प्रेषणको आदेशद्वारा बदर हुने।

इजलास अधिकृत : लिलाराज अधिकारी

कम्प्युटर : सरस्वती पौडेल

इति संवत् २०६६ साल भदौ १५ गते रोज २ शुभम्।

४.

**मा.न्या.श्री रामकुमारप्रसाद शाह र मा.न्या.श्री भरतराज उप्रेती**, २०६२ सालको दे.पु.नं. ८६६६, अंश नामसारी, जगदम्बामणि त्रिपाठी समेत वि. बुन्नादेवी त्रिपाठी

विदेशी सरकारी निकाय, यस्ता निकायका अधिकार प्राप्त अधिकारी वा अदालतबाट तयार भएका अभिलेखमा रहेका तथा प्रमाणित भएका लिखतहरूको सत्यताको सम्बन्धमा अन्यथा प्रमाणित नभएसम्म त्यस्ता लिखतलाई सत्य र साँचो रहेछन् भनी मान्नु पर्ने र प्रमाणमा लिनु पर्ने।

इजलास अधिकृत : विष्णुप्रसाद अर्याल

कम्प्युटर : सरस्वती पौडेल

इति संवत् २०६६ साल भदौ १० गते रोज ४ शुभम्।

५.

**मा.न्या.श्री रामकुमारप्रसाद शाह र मा.न्या.श्री भरतराज उप्रेती**, २०६० सालको दे.पु.नं. ९०४५ र ९०४६, लिखत दर्ता बदर दर्ता कायम, त्रिवेणीदेवी भ्ना वि. जटाशंकर भ्ना, अजयकुमार साह वि. जटाशंकर भ्ना

सगोलमा रहँदा राजीनामाबाट प्राप्त भएको सम्पत्ति अन्यथा प्रमाणित नभए सगोलमा रहेको सम्पत्ति र सगोलको आयस्ताबाट बढे बढाएको

सम्पत्ति मानिने हुँदा सगोलका सबै अंशियारको हक लाग्ने सम्पत्ति रहेको मान्नुपर्ने।

आफूखुस गर्न नपाउने अरु अंशियारको पनि हक लाग्ने सम्पत्ति बेचबिखन गर्दा लेनदेन व्यवहारको १० नं. बमोजिम एकाघरसँगका सबै अंशियारहरूलाई साक्षी राखी वा निजको मञ्जूरी लिएर मात्र बेचबिखन गर्नुपर्नेमा सो बमोजिम नगरी यी पुनरावेदिका त्रिवेणीदेवी भ्नाले उक्त कि.नं. १५२ को ज.वि. ०-१-०-१ जग्गा र सोमा बनेको घर समेत मिति २०५१।८।२९ मा घरसारमा लिखत गरी मिति २०५१।९।३ मा अजयकुमार शाहलाई राजीनामा पारित गरी दिएको देखिँदा त्यस्तो कार्यलाई कानूनअनुरूप हक छाडी बिक्री गरी दिएको रहिछन् भनी भन्न मिल्ने अवस्था देखिन नआउने।

इजलास अधिकृत : विष्णुप्रसाद अर्याल

कम्प्युटर : रानु पौडेल

इति संवत् २०६६ साल भदौ १० गते रोज ४ शुभम्।

यसै लगाउका निम्न मुद्दाहरूमा यसैअनुरूप निर्णय भएका छन् :

- २०६० सालको दे.पु.नं. ९०४४, अंश चलन, धरणीधर भ्ना समेत वि. जटाशंकर भ्ना
- २०६० सालको दे.पु.नं. ८८९७, लिखत दर्ता बदर दर्ता कायम, जटाशंकर भ्ना वि. त्रिवेणीदेवी भ्ना समेत

इजलास नं. ७

१.

**मा.न्या.श्री कल्याण श्रेष्ठ र मा.न्या.श्री भरतराज उप्रेती**, २०६६ सालको रिट नं. WO-००९३, उत्प्रेषण, मुरलीधर मिश्र वि. कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय सम्बद्धता समितिको कार्यालय समेत

कानूनको भावनाअनुसार सम्बद्धता खोजिएको विषयसँग प्राप्त उपाधीहरूले आधारभूत शर्तहरू पूरा गरेको छ वा छैन भन्ने कुराको सम्बद्धता निर्धारण समितिले पुनरावलोकन गर्न



नसक्ने गरी निजामती सेवा नियमावलीले बन्देज लगाएको नदेखिनुको साथै समितिले निर्णय सुधार गर्न नसक्ने भन्न नमिल्ने हुनाले समेत निवेदन माग बमोजिमको आदेश जारी गर्न नमिल्ने ।

इजलास अधिकृत : भोलानाथ ढकाल

कम्प्युटर : धनबहादुर गुरुङ

इति संवत् २०६६ साल मंसिर २३ गते रोज ३ शुभम् ।

**इजलास नं. ८**

१.

**मा.न्या.श्री गौरी ढकाल र मा.न्या.श्री रणबहादुर बम**, २०६१ सालको दे.पु.नं. ९०२८, फैसला बदर, धनिया थरुनी वि. मनोजकुमार साह तेली

प्रत्यर्थीले मोही लगत कट्टामा निवेदन दिँदाका समयमा तत्काल प्रचलित कानूनले मरुवा मोहीको छोरा र पत्नी समेत नरहेको र ससुराको नामको मोहीयानी बहारीका नाममा नामसारी हुने व्यवस्था नगरेको अवस्थामा भूमिसम्बन्धी चौथो संशोधन ऐन, २०५३ ले मिति २०५३।१।२४ मा उक्त ऐनको दफा २६(१) मा गरेको संशोधन व्यवस्था प्रस्तुत मुद्दामा आकर्षित भै यी पुनरावेदीकाको हक स्थापित हुन नसक्ने ।

इजलास अधिकृत : हरिराज कार्की

इति संवत् २०६६ साल कात्तिक ९ गते रोज २ शुभम् ।

२.

**मा.न्या.श्री गौरी ढकाल र मा.न्या.श्री रणबहादुर बम**, २०५९ सालको दे.पु.नं. ७९९५, अंश दर्ता, सुखदेव यादव वि. दुखी यादव समेत

वादीहरूले सप्तरी जिल्ला अदालतबाट भएको फैसलाउपर पुनरावेदन नगरी वादीमध्येका दुखी यादवले मात्र पुनरावेदन गरी पुनरावेदन अदालत राजविराजबाट मिति २०५३।२।२८ को फैसलाबमोजिम पुनः निर्णयको लागि सप्तरी जिल्ला अदालतमा मिसिल पठाएपश्चात् समेत निज रामदेव र रामेश्वर यादव प्रस्तुत मुद्दामा कारवाहीमा संलग्न नरहेको र निजतर्फबाट

तायदाती समेत पेश नभएको अवस्था देखिन्छ । तथापि मूल अंशियार ३ जना रहे भएको अवस्थामा वादीहरूले आ-आफ्नो पिताको अंश मात्र पाउने हुँदा भवर यादवका छोरा वादी दुखी यादवले ३ खण्डको १ खण्ड मात्र अंश पाउने ठहरी अन्य वादीहरूका अंश भाग समेत सुरक्षित नै रहेको र अंशजस्तो नैसागिक हक निरपेक्ष रहन नसक्ने हुँदा निजहरूका हकमा अंशबण्डाको २२ नं. बमोजिम हुन सक्ने नै भई निजहरूको अंश हक मार्ने स्थिति नहुने ।

इजलास अधिकृत : हरिराज कार्की

इति संवत् २०६६ साल कात्तिक १० गते रोज ३ शुभम् ।

यसै लगाउका निम्न मुद्दाहरूमा यसैअनुरूप निर्णय भएका छन् :

- २०५९ सालको दे.पु.नं. २८३४, जालसाज, देवनारायण यादव वि. दुखी यादव
- २०५९ सालको दे.पु.नं. ७९९४, ७९९६, लिलाम दर्ताबदर दर्ता कायम, सुखदेव यादव वि. दुखी यादव, देवनारायण यादव वि. दुखी यादव

३.

**मा.न्या.श्री गौरी ढकाल र मा.न्या.श्री गिरीशचन्द्र लाल**, २०६४-CR-०७८३, लागू औषध ब्राउन सुगर, किरणसिंह डंगोल वि. नेपाल सरकार

प्रतिवादी स्वयंले २६ ग्राम लागू औषध खरिद गरी २१ ग्राम बरामद भएको भनी अदालतमा वयान गरेको भएता पनि निजबाट बरामद भएको परिमाणको लागू औषध सेवन गर्नेसम्मको परिणामको मात्र नभएकोले निजले बिक्री वितरणतर्फ अपराध नगरेको भन्न सकिने अवस्था देखिँदैन । यसको अतिरिक्त अधिकार प्राप्त अधिकारीसमक्षको वयानमा यी प्रतिवादीले लागू औषध खरीद बिक्री ओसारपसार सञ्चय सेवन गर्दछु भनी सावित भै वयान गरेको र वस्तुस्थिति मुचुल्काका दुर्गादेवी दाहालसमेतले यी प्रतिवादीउपर आरोपित कसूरमा पोल गरेको अवस्थाको परिप्रेक्ष्यमा समेत बरामद भएको लागू औषधको परिमाणलाई मध्यनजर राखी विचार गर्दा पुनरावेदक प्रतिवादीले

बरामद भएको लागू औषध खरिद बिक्री, सञ्चय, ओसार पसार समेत गरेको पुष्टि हुने ।  
इजलास अधिकृत : हरिराज कार्की  
इति संवत् २०६६ साल भदौ १७ गते रोज ४ शुभम् ।

४.

**मा.न्या.श्री गौरी ढकाल र मा.न्या.श्री प्रकाश वस्ती,**  
२०६१ सालको दे.पु.नं. ८८२९, करार बदर गरी  
पाऊँ, *इन्द्रबहादुर राई वि. मंगलीमाया कुस्ले*

स्वीकृतकर्ताले स्वीकृतिसम्म नदिएको अधुरो र अपुरो प्रस्तावको रूपमा देखिएकोले पक्षहरूको बीचमा सम्झौता भएको मानी सो लिखतलाई करारको नाम दिनसम्म पनि नमिल्ने हुँदा करारै नभएको अवस्थामा लिखतमा उल्लिखित शर्तहरूको कुनै अर्थ रहेन । त्यसैले हुँदै नभएको करारलाई बदर गरी रहन परेन । त्यस्तो लिखतबाट कुनै पक्षलाई कुनै दायित्व सिर्जना भएको नै भन्न नमिल्ने ।

इजलास अधिकृत : कमलप्रसाद पोखरेल  
इति संवत् २०६६ साल मंसिर १५ गते रोज शुभम् ।  
यसै लगाउका निम्न मुद्दाहरूमा यसैअनुरूप निर्णय भएका छन् :

- २०६१ सालको दे.पु.नं. ८८२८, लिखत बदर, *इन्द्रबहादुर राई वि. नरसिङलाल मानन्धर समेत*
- २०६१ सालको दे.पु.नं. ८८२७, करारबमोजिम लिखत रजिष्ट्रेशन पारित गरिपाऊँ, *इन्द्रबहादुर राई वि. माइला कुस्ले*

५.

**मा.न्या.श्री प्रेम शर्मा र मा.न्या.श्री रणबहादुर बम,**  
२०६५-CR-०१६९, कर्तव्य ज्यान, *नेपाल सरकार वि. मित्रलाल डाँगी*

वारदातको प्रकृति, घटना परिस्थितिलाई समेत मध्यनजर गरी हेर्दा प्रतिवादीको घरबाट सुन र नगद चोरी गरेको कुरा प्रकाशमा आएपछि सो चोरी गर्ने व्यक्ति मृतक तुलबहादुर हुन् भनी छिमेकी प्रेमबहादुर बुढाथोकीले भनेकोले निज समेत भएर मृतक तुलबहादुरलाई निजकै घरबाट प्रतिवादीले आफ्नो घरमा सोधपुछ र छलफल ल्याएकोमा तुलबहादुरले चोरेको होइन भनी ढाँटेको

र त्याँहाबाट भाग्न खोज्दा रिसको आवेगमा प्रतिवादीले मृतकलाई सल्लाको दाउराले प्रहार गरेको र निजको कुटपीट प्रहार समेतका कारण मृतकको मृत्यु मुलुकी ऐन, ज्यान सम्बन्धी महलको १३(३) नं. आकर्षित हुने कसूर अपराध नभै निज प्रतिवादीले ऐ. को १४ नं. बमोजिमको कसूर गरेको देखिँदा सजायको हकमा पनि सोही १४ नं. आकर्षित हुने ।

इजलास अधिकृत : हरिराज कार्की  
इति संवत् २०६६ साल असोज १८ गते रोज १ शुभम् ।

### इजलास नं. ९

१.

**मा.न्या.श्री ताहिर अली अन्तारी र मा.न्या.श्री कृष्णप्रसाद उपाध्याय,** २०६२ सालको फौ.पु.नं. ३१९०, कर्तव्य ज्यान, *नेपाल सरकार वि. रिखे सार्की*

प्रतिवादी रिखे सार्की घर फर्किने क्रममा घटनास्थल भीर रहेको स्थान साँगुरो बाटोमा आएपछि मृतक र प्रतिवादीबीच भगडा भई प्रतिवादीले मृतक सानी नेपालीलाई कुटपीट गरी भीरबाट घचेटी लडाएको कारणबाट मृतकको मृत्यु हुन गएको छ । यसरी मृतक सानी नेपालीलाई भिरालो बाटोको अवस्था थाहा पाउँदा पाउँदै कुटपीट गरी घचेट्ने कार्यलाई भवितव्य परेको अवस्था मान्न नमिल्ने ।

आफ्नै श्रीमतीलाई खतरनाक बाटोमा लडाउनु संयोग मात्र हुन सक्दैन । अपितु आवेशमा आएर आफ्नै श्रीमतीलाई मार्ने इच्छा शक्तिका साथ भीर बाटोबाट धकेल्दा ज्यान गएको देखिँदा प्रतिवादी रिखे सार्कीले अभियोग माग दावीअनुसार मुलुकी ऐन, ज्यानसम्बन्धी महलको १३(३) नं. बमोजिमको कसूर अपराध गरेको देखिने ।

इजलास अधिकृत : कमलप्रसाद पोखरेल  
इति संवत् २०६६ साल मंसिर २९ गते रोज २ शुभम् ।

२.

**मा.न्या.श्री ताहिर अली अन्सारी र मा.न्या.श्री मोहनप्रकाश सिटौला**, २०६१ सालको फौ.पु.नं. ३७९५, जिउमास्ने बेच्ने, *नेपाल सरकार वि. अलाउद्दिन मिया समेत*

पीडितको अदालतबाट प्रमाणित बयानमा प्रतिवादीहरूले पीडितलाई विक्री गर्ने उद्देश्यले भारतको बम्बैसम्म गएको र बेश्यालयमा विक्री गरेको कुरा उल्लेख भएको छ । प्रतिवादी पल्टा भन्ने पल्टु सरदारले अधिकार प्राप्त अधिकारी समक्षको वयान उक्त तथ्यलाई स्वीकार समेत गरेको तथा अदालत समक्षको वयानमा कसूरमा इन्कार रही वयान गरेपनि अधिकार प्राप्त अधिकारी समक्षको वयान यो यस कारणले आफ्नो स्वेच्छा विरुद्धको हो भनी प्रमाण दिन नसकेबाट यी प्रतिवादीहरूले अदालतमा गरेको सामान्य इन्कारीलाई मात्र यिनीहरूको निर्दोषिताको आधारको रूपमा ग्रहण गर्न नमिल्ने ।

इजलास अधिकृत : कमलप्रसाद पोखरेल  
इति संवत् २०६६ साल मंसिर २८ गते रोज १ शुभम् ।

३.

**मा.न्या.श्री ताहिर अली अन्सारी र मा.न्या.श्री मोहनप्रकाश सिटौला**, २०६५ सालको स.फौ.पु.नं. ०७५०, ०१५४, कर्तव्य ज्यान, *नेपाल सरकार वि. जगतबहादुर सार्की समेत*

मृतक राजु सार्कीले पहिला रमेश सार्कीलाई कुटेको र छुट्याउन खोज्दा प्रतिवादी जगतबहादुर सार्कीलाई पनि हानेको कारण तत्काल उठेको रिस थाम्न नसकी लात मुक्काले प्रतिवादी जगतबहादुर सार्कीले मृतक राजु सार्कीलाई प्रहार गरेको देखिन्छ । सोही चोटको कारण र जरियाबाट मृतकको टाउको पीचमा ठोक्किन पुगी मृत्यु भएको देखिँदा प्रस्तुत वारदात ज्यानसम्बन्धी महलको १४ नं. अन्तर्गतको कसूर देखिने ।

इजलास अधिकृत : विद्याराज पौडेल  
कम्प्युटर : शम्भुप्रसाद शाह  
इति संवत् २०६६ साल कार्तिक ४ गते रोज ४ शुभम् ।

४.

**मा.न्या.श्री ताहिर अली अन्सारी र मा.न्या.श्री मोहनप्रकाश सिटौला**, २०६५ सालको स.फौ.पु.नं. ०८१६, २०६५ सालको साधक नं. ०२१, कर्तव्य ज्यान, *शुक्रबहादुर नेम्वाङ्ग वि. नेपाल सरकार*

आत्मरक्षा आफूले मन लागेको बेलामा वा अनुकूल पर्ने गरी वा बचाउने अन्य आधारको समाप्तिमा (Exhaust of other grounds of defence) जिकीर लिन पाइने होइन । अपितु वास्तवमा नै ऐनले निर्दिष्ट गरेको अवस्थामा आफ्नो जिउ ज्यान जोगाउन अन्तिम विकल्पको रूपमा हतियार उठाएको वा आफ्नो ज्यान जोखिममा पार्नेमाथि प्रहार गरेको हुनु पर्‍यो । यो अवस्था कुनै संदेहबिना प्रमाणित पनि हुनु पर्छ । प्रस्तुत मुद्दामा यी प्रतिवादीले शुरुमा आत्मरक्षाको जिकीरसम्म पनि लिन नसकेको र वारदातको प्रकृति हेर्दा पनि आत्मरक्षाको पुनरावेदन जिकीरमा विश्वास गर्नुपर्ने अवस्था देखिन नआउने ।

इजलास अधिकृत : विद्याराज पौडेल  
कम्प्युटर : शम्भुप्रसाद शाह  
इति संवत् २०६६ साल कार्तिक ४ गते रोज ४ शुभम् ।

५.

**मा.न्या.श्री ताहिर अली अन्सारी र मा.न्या.श्री मोहनप्रकाश सिटौला**, २०५८ सालको फौ.पु.नं.२६८३ र २६८४, सरकारी छाप दस्तखत कीर्ते, *खेटराज सुवेदी वि. नेपाल सरकार, किशोरी दास कथवनिया समेत वि. नेपाल सरकार*

प्र. खेटराज सुवेदीले अर्कै मुद्दामा गंगादेवी भन्ने व्यक्तिको निमित्त घाउ जाँचको लागि लेखी दिएको निवेदनको हस्तलिपि र हस्ताक्षरसँग नागरिकताको विवरण भरेको हस्ताक्षर मिल्छ मिल्दैन भनी जाँच गर्न पठाउँदा सो निवेदनको हस्ताक्षरसँग नागरिकताको विवरण भरेको हस्ताक्षर मिलेको भन्ने विशेषज्ञको प्रतिवेदनमा उल्लेख भई नागरिकता प्रमाणपत्रमा आफैले विवरण नभरेको र कीर्ते नागरिकता नबनाएको भन्ने प्र.खेटराज सुवेदीको इन्कारी वयान भए तापनि विशेषज्ञको

प्रतिवेदन तथा अन्य प्रतिवादीहरूको वयान समेतबाट निजले नै त्यसो गरेको पुष्टि भएको देखिई प्र. खेटराज सुवेदीले नै नागरिकता प्रमाणपत्र कार्डको विवरण भर्नुका साथै कार्यालयको छाप तथा नागरिकता वितरण गर्ने अधिकारी गजेन्द्रराम भट्टराईको दस्तखत समेत कीर्त गरी नक्कली बनाएको देखिने ।

इजलास अधिकृत : विद्याराज पौडेल

कम्प्युटर : शम्भुप्रसाद शाह

इति संवत् २०६६ साल कात्तिक ८ गते रोज १ शुभम् ।

६.

**मा.न्या.श्री ताहिर अली अन्सारी र मा.न्या.श्री मोहनप्रकाश सिटौला**, २०६० सालको फौ.पु.नं. ३२१७, भ्रष्टाचार, नेपाल सरकार वि. हरिहरमान श्रेष्ठ

प्रतिवादी लेखा प्रमुख जस्तो व्यक्तिले आफ्नो कर्तव्य र दायित्ववमोजिम लेखा दुरुस्त राख्ने, विवरण तयार गर्ने जस्ता कार्यहरू नगरी बिना बिल भरपाई उचित आदेशबिना र सेस्तामा नजनाई लाखौं लाख रुपैयाँ अरुलाई दिएको वा अरुले गलत कार्य गरेको थाहा पाएको खण्डमा सम्बन्धित अधिकारीसमक्ष समयमै सो व्यहोराको पेश गरी कारवाही गर्नुपर्नेमा सो भए गरेको देखिएन । भ्रष्टाचार निवारण ऐन, २०१७ को दफा १३ अनुसार कुनै राष्ट्रसेवकले आफ्नो जिम्मा वा नियन्त्रणमा रहेको राष्ट्रको वा सरकारी मान्यता प्राप्त कुनै संस्थाको चल अचल सम्पत्ति हिनामिना हानि-नोक्सानी गर्न नहुने भनी स्पष्टरूपमा उल्लेख गरेको पाइन्छ । यी प्रतिवादी नेपाल सरकारको पूर्ण स्वामित्व भएको द टिम्बर कर्पोरेशन अफ नेपाल लि. को कर्मचारी भएको र निज जिम्माको लेखाको रकम हिनामिना गरेको देखिँदा निजले भ्रष्टाचार निवारण ऐन, २०१७ को दफा १३ बमोजिम कसूर गरेको देखिने ।

इजलास अधिकृत : विद्याराज पौडेल

कम्प्युटर : शम्भुप्रसाद शाह

इति संवत् २०६६ साल कात्तिक ८ गते रोज १ शुभम् ।

७.

**मा.न्या.श्री ताहिर अली अन्सारी र मा.न्या.श्री मोहनप्रकाश सिटौला**, २०६० सालको फौ.पु.नं. ३२६१, भ्रष्टाचार, नेपाल सरकार वि. फूलराज शर्मा

प्रतिवादी स्वास्थ्यसम्बन्धी विशेष शैक्षिक योग्यता हासिल गर्ने उद्देश्यले त्यसको लागि चाहिने न्यूनतम योग्यताको रूपमा आफूले पढ्दै नपढेको र उत्तीर्ण नभएको B.A. को नक्कली प्रमाणपत्र पेश गरी उक्त शैक्षिक योग्यता (तालीम) PGDHE मा पढ्न जान पाएको देखिन्छ । यसबाट निजले पेश गरेको नक्कली शैक्षिक प्रमाणपत्रबाट तत्कालै पनि भौतिकरूपले फाइदा उठाई सकेको समेत देखिन्छ । जबकी त्यसबाट त्यस्तो कुनै खास फाइदा नउठाए पनि नक्कली प्रमाणपत्र पेश गर्नु स्वयम्मा नै भ्रष्टाचारजन्य आपराधिक कार्य हो । यस्तो अवस्थामा निजले आरोपित कसूर गरेकै देखिन आएकोले तत्काल प्रचलित भ्रष्टाचार निवारण ऐन, २०१७ को दफा १२ अनुसार रु. ५,०००।-(पाँच हजार) जरीवाना हुने ।

इजलास अधिकृत : विद्याराज पौडेल

कम्प्युटर : शम्भुप्रसाद शाह

इति संवत् २०६६ साल कात्तिक ८ गते रोज १ शुभम् ।

८.

**मा.न्या.श्री ताहिर अली अन्सारी र मा.न्या.श्री सुशीला कार्की**, २०५८ सालको साधक नं. २५५, कर्तव्य ज्यान, नेपाल सरकार वि. धोपिन्द्र धोवी

प्रतिवादीहरू आपराधिक प्रवृत्तिका भएका र धान चोरी लैजाने क्रममा मृतकको उपस्थितिबाट विवाद सिर्जना भई प्रतिवादीहरूको आपराधिक काममा बाधा पर्ने समेत भएबाट मृतकलाई समाई भूईंमा लडाई अति नै हिंस्रक र क्रूरतापूर्वक राम सागरको घाँटी नै धारिलो हतियार चक्कुले काटी मारेको भनी प्रत्यक्षदर्शी राजकुमार दास तत्मा समेतले अदालत समक्ष पनि लेखाई दिएको समेतले ज्यान मार्ने नियतले कर्तव्य गरी रामसागर यादवलाई मारेको तथ्य शंका र विवादरहित ढंगबाट

प्रमाणित भइसकेको छ । मारी भागी फरार रहेको स्थितिमा उक्त वारदात घटाउनमा यी प्रतिवादीहरूको मनसाय थिएन भन्न सक्ने अवस्था नहुने ।

इजलास अधिकृत : दीपक ढकाल  
इति संवत् २०६६ साल कात्तिक २२ गते रोज १ शुभम् ।

९.

**मा.न्या.श्री ताहिर अली अन्सारी र मा.न्या.श्री सुशीला कार्की**, २०६० सालको फौ.पु.नं. ३०७६ र ३१०१, भ्रष्टाचार, *सोमबहादुर कार्की वि. नेपाल सरकार, मातृका नेपाल वि. नेपाल सरकार*

मौकामा नै कोठाबाट बरामद भएको रकम प्र.दलबहादुर तामाङ्गले घूसबापत भनी दिएको नगदलाई प्रतिवादीहरूलाई दिनु पूर्व नोटको नम्बर टिपोट गरेकोसँग अधिकांश बरामद भएको नोटको नम्बर समेत मिले भिडेकोमा बरामद भएको रकमको सन्दर्भमा अदालतमा वयान गर्दा प्र. मातृका नेपाल र प्र. सोमबहादुर कार्की अदालतसमक्ष वयान गर्दा ऋणस्वरूप लिएको भने तापनि रकम बरामद भएको मिति र तमसुकले मिति फरक पर्न गएको हुँदा विश्वासलायक नदेखिने ।

इजलास अधिकृत : विद्याराज पौडेल  
इति संवत् २०६६ साल कात्तिक ९ गते रोज २ शुभम् ।

इजलास नं. १०

१.

**मा.न्या.श्री राजेन्द्रप्रसाद कोइराला र मा.न्या.श्री प्रकाश वस्ती**, २०६३ सालको फौ.पु.नं. ०१८१, जालसाज, *दीपा गुरुङ वि. रेवता गुरुङ*

जालसाजी कार्य हुन कीर्ते कागजको ३ नं. को बनौट हेर्दा कुनै गम्भीर षड्यन्त्र भएको हुनुपर्ने, जसबाट हक नहुनेको हक भूट्टा कुराबाट स्थापित गरिएको हुनुपर्ने वा मिति अङ्क वा व्यहोरा फरक

पारेको देखिनु पर्दछ । यी तत्व कुनै कार्यमा विद्यमान छन् भन्ने कुराको दावीकर्ताले नै प्रमाणको भार बहन गरेको हुनुपर्दछ । यी कार्य प्रमाणित भई त्यस्तो कागजबाट दावीकर्ताको हकै भेटिएको हदम्याद तारिखै गएको वा अन्य कुनै किसिमबाट नोक्सान पार्ने मतलब सिद्ध भएमा मात्र जालसाजी कार्य मानी सजाय गर्न मिल्ने ।

इजलास अधिकृत : नारायणप्रसाद दाहाल  
कम्प्युटर : नम्रता बास्तोला  
इति संवत् २०६६ साल भदौ २५ गते रोज ५ शुभम् ।  
यसै लगाउका निम्न मुद्दाहरूमा यसैअनुरूप निर्णय भएका छन् :

- २०६३ सालको फौ.पु.नं. ०१८२, जालसाजी, *दीपा गुरुङ वि. जुद्धबहादुर गुरुङ*
- २०६३ सालको फौ.पु.नं. ०१८३, जालसाजी, *दीपा गुरुङ वि. जुद्धबहादुर गुरुङ*
- २०६३ सालको फौ.पु.नं. ०१८४, जालसाजी, *दीपा गुरुङ वि. रेवती गुरुङ*

२.

**मा.न्या.श्री राजेन्द्रप्रसाद कोइराला र मा.न्या.श्री प्रकाश वस्ती**, २०६२ सालको फौ.पु.नं. ३६७५, सवारी ज्यान, *नेपाल सरकार वि. मोहनप्रसाद दंगाल समेत*

प्रतिवदी चालक नक्कलबहादुर तामाङ्गलाई सवारी तथा यातायात व्यवस्था ऐन, २०४९ को दफा १६१(३) बमोजिमको कसूर कायम गरी सोही दफाबमोजिम एक वर्ष कैद र रु.२,०००/- जरीवाना हुने तथा वीमाबापतको रकम रु.१७,५००/- राष्ट्रिय वीमा संस्थानबाट र सवारी धनीबाट दाखिल भएको रु.१७,५००/- समेत मृतकका हकदारले पाउने र सवारी धनीबाट वीमा रकम दिलाई रहनु पर्ने ।

इजलास अधिकृत : नारायणप्रसाद दाहाल  
कम्प्युटर : नम्रता बास्तोला

इति संवत् २०६६ साल भदौ २५ गते रोज ५ शुभम् ।

एकल इजलास

१.

**मा.न्या.श्री अनूपराज शर्मा**, रिट नं. ०६६-WO-०६५६, उत्प्रेषणयुक्त परमादेश, *अमरसिँप्रसाद समेत वि. जिल्ला शिक्षा कार्यालय वारा कलैया समेत*

कसैको मनोगत धारण वा अस्पष्ट र द्विविधाग्रस्त दावीका आधारमा असाधारण अधिकारक्षेत्र जस्तो विशिष्ट अधिकार क्रियाशील हुँदैन । प्रस्तुत निवेदनमा उठाइएका कुनै पनि विषयहरू संविधानका हकहरूसँग सम्बन्धित देखिँदैनन् । त्यसरी निवेदनमा उठाइएका विषयहरूसँग असान्दर्भिक रहेका संवैधानिक प्रावधानहरूको उल्लेखन गरी विवादको विषय किन वा कसरी सार्वजनिक हक वा सरोकारको हो र विवादको विषयवस्तुसँग निवेदकहरूको सम्बन्ध वा सरोकार के छ भन्ने जस्ता आधारभूत कुराहरू समेत नखुलाई दायर गरिएको प्रस्तुत निवेदन प्रथमदृष्टिमा नै ग्रहणयोग्य नदेखिने ।

इजलास अधिकृत : उमेश कोइराला  
इति संवत् २०६६ साल माघ १३ गते रोज ४ शुभम् ।

२.

**मा.न्या.श्री गौरी ढकाल**, २०६६-WO-००२०, उत्प्रेषण मिश्रित परमादेश, *टुनाबहादुर श्रेष्ठ वि. प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषदको कार्यालय समेत*

निवेदनमा अपूरणीय क्षति पुग्ने भनेर मात्र पुग्दैन के कस्तो क्षति पुग्ने हो सो वस्तुनिष्ठ तवरले उल्लेख हुनुपर्नेमा विवादित सरुवाबमोजिम रमाना

भै आफू सरुवा भएको कार्यालयमा हाजिर समेत भैसकेपछि प्रस्तुत रिट निवेदकले त अझ यो यस्तो क्षति पुगेको भनी वस्तुनिष्ठ रूपमा खुलाउन सक्नु पर्नेमा सो केही भए गरेको देखिएन । आफू सरुवा भएको कार्यालय जि.वि.स. को कार्यालयमा विधिवत् हाजिर भै कामकाज गरिसकेपछि उक्त सरुवालाई व्यवहार आचरणबाट स्वीकार गरिसकेको अवस्थामा पुनः सो सरुवा निर्णयलाई गैरकानूनी नामाकरण गरी निवेदन गरेको देखिन आई यी निवेदकको परस्पर विरोधी निवेदन व्यहोरा हुँदा कारण देखाउ आदेश समेत जारी गरी रहन नपर्ने ।

इति संवत् २०६६ साल साउन ९ गते रोज ६ शुभम् ।

३.

**मा.न्या.श्री गिरीशचन्द्र लाल**, २०६६ सालको WO-०४०७, उत्प्रेषण मिश्रित परमादेश, *दुर्गामान डंगोल समेत वि. पुनरावेदन अदालत पाटन*

प्रस्तुत रिट निवेदनको माग सम्बन्धमा विचार हुने अवस्थामा प्रत्यक्ष असर पर्ने पक्षलाई निवेदकले विपक्षी नबनाएको अवस्थामा निजले आफ्नो पक्ष राख्ने र प्रतिवाद गर्न सक्ने अवस्था नहुँदा प्राकृतिक न्यायको सिद्धान्त (Natural Justice) लाई मध्यनजर नराखी परेको प्रस्तुत रिट निवेदन सम्बन्धमा विचार गरी रहनु परेन । निवेदन दावी खारेज हुने ।

इजलास अधिकृत : गायत्रीप्रसाद रेग्मी  
कम्प्युटर : अमिररत्न महर्जन  
इति संवत् २०६६ साल मंसिर २९ गते रोज २ शुभम् ।